श्रावण कृष्ण पक्ष -5, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 35 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 जुलाई 2024 गुरुवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

विपक्ष ने सदन में चलाई समानांतर सभा

बिहार विस में टेबल पलटने की कोशिश, नीतीश बाहर निकले

पटना, एजेंसी।

बिहार विधानसभा में आज ऐसा हंगामा हुआ जो संभवत-पहले कभी नहीं हुआ। विपक्षी सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग और टेबल गिराने की कोशिश पर जब अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सख्ती की हिदायत दी, तो विपक्ष का गुस्सा और बढ़ गया। मुख्यमंत्री इस हंगामे को देख विधानसभा से निकल गए। इसके बाद विपक्षी दलों ने विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी के सामने वेल में %अपनी विधानसभा% खुद की। इसमें महबूब आलम अध्यक्षता करने लगे। विपक्षी विधायक वहीं जमीन पर बैठ गए, जबकि कुछ खड़े होकर इस सभा में शामिल रहे। यादव के बार-बार कहने पर भी यह बंद नहीं हुआ। इससे पहले विधानसभा में अपने सामने टेबल को उठाकर पटकने की कोशिश देख मुख्यमंत्री ने इशारों में अपनी नाराजगी जताई थी। जब महागठबंधन के कुछ विधायकों ने एक बार टेबल को गिराने के लिए हल्का उठाया तो सुरक्षा में लगे लोग उसे पकड़ कर वहीं रुक गए। कांग्रेस विधायक प्रतिमा कुमारी और राजेश राम ने कहा कि बिहार सरकार निरंकुश सरकार हो गई है। हम जनता के मुद्दे पर आवाज नहीं उठा सकते हैं क्या? कल जिस तरह रोड पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया, वह अन्याय है। यह मौलिक अधिकार का हनन है।

विस अध्यक्ष द्वारा बाद में प्रश्नोत्तरकाल समाप्त होने की घोषणा के साथ ही विपक्षी दलों के सदस्य सदन से वाकआउट कर गए। सदन से निकलने के बाद विपक्षी दलों ने पोर्टिको में खड़े होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तानाशाह बताते हुए एक बार फिर इस्तीफे की मांग के साथ नारेबाजी शुरू कर दी । जबकि भीतर र सत्तापक्ष के विधायक सामान्य प्रक्रिया के तहत कार्यवाही में भाग लेते रहे।

कोयंबटूर में रोड शो, निवेशकों के साथ इंटरेक्टिव सेशन

अब दक्षिण में मप्र की ब्रांडिंग मिशन इंवेस्टमेंट पर सीएम

कोयंबटूर, भोपाल दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव इस वक्त निवेश मिशन पर हैं। वे आज कोयंबटूर में इंड्स्ट्री रोड शो के तहत निवेशकों के साथ चर्चा करके उनके समक्ष मप्र की औद्योगिक विशेषताओं नीतियों के बारे में ब्रांडिंग कर रहे हैं। यादव कल ही तमिलनाडु पहुंच गये थे। जहां उनकी निगाहें बड़े निवेशकों पर हैं।

खासतौर पर टैक्सटाईल उद्योगों पर मध्यप्रदेश का फोकस है। यह क्षेत्र एशिया का सबसे बड़ा हब है। सीएम ने कहा मध्यप्रदेश में भी वस्त्र उद्योगों के लिए कई नीतिगत प्रोत्साहन दिए गए है। इससे पहले कोयंबटूर में उन्होंने एक बेस्ट कार्प फैक्ट्री को भी देखा। इस दौरान उन्होंने दक्षिण भारत के निवेशकों को मध्य प्रदेश में औद्योगिक इकाइयां प्रारंभ करने का निमंत्रण दिया व कहा कि मध्य प्रदेश में टेक्सटाइल उद्योग में विकास की बहुत संभावनाएं हैं। आज मुख्यमंत्री ने इन्वेस्ट एमपी इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित करने के साथ उद्योगपतियों के साथ मध्यप्रदेश में निवेश के लिए वन-टू-वन चर्चा भी कर रहे हैं। दरअसल मप्र में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट फरवरी 2025 में प्रस्तावित है। यह मौजूदा सीएम यादव के कार्यकाल की पहली वृहद समिट होगी। अब तक वे उज्जैन व जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव कर चुके हैं। इससे पहले उन्होंने मुंबई में भी इन्वेस्ट मध्यप्रदेश के तहत रोड शो किया था।

जानकारी के मुताबिक कोयंबटूर के बेस्ट कार्प संस्थान द्वारा उज्जैन में भी इकाई पहले स्थापित की गई है। अब सरकार चाहती है कि प्रदेश में अन्य स्थानों पर भी ऐसी इकाइयां लगें। तमिलनाडु के अन्य निवेशकों को भी मध्यदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। कल यादव ने प्रमुख उद्योगपतियों के साथ रात्रि भोज बैठक में भी हिस्सा लिया।

निवेश प्रोत्साहन नीति की जानकारी दी

मुख्यमंत्री आज कोयंबटूर में इन्वेस्ट एम पी इंटरैक्टिव सत्र में उद्योगपतियों को मध्य प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन, नवाचार और सतत विकास की गतिविधियों की जानकारी देरहे हैं। इसके साथ ही टेक्सटाइल एवं गारमेंट, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश के लिए उद्योगपतियों से चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों से अवगत कराना और राज्य की प्रगति में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है. मुख्यमंत्री डॉ यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन चर्चा भी करेंगे और राज्य की 'एक-जिला-एक-उत्पाद' (ओडीओपी) योजना पर चर्चा करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के कुशल कार्यबल, प्रचुर संसाधनों और अनुकूल औद्योगिक वातावरण पर विशेष जोर देंगे।

रीजनल के बाद अब ग्लोबल की तरफ सरकार

दो रीजनल इंडस्ट्री समिट करने के बाद सरकार अब ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की तरफ कदम बढा रही है। फरवरी के आयोजन के लिये अभी से 'माहौल' बनाने के लिए मुख्यमंत्री और अफसरों की टीम कोएंबटूर दौरे पर है।

केजरीवाल को अदालत से राहत नहीं, हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ल। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब आठ अगस्त को सुनवाई होगी। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।

बजट के बाद ग्लोबल गिरावट से बाजार धराशायी

सेंसेक्स 600 अंक टूटा

मुंबई , एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन आज लाल निशान पर ओपन हुआ है।बजट के एक दिन पहले से बाजार में अजीब सी बेचैनी नजर आ रही है। आज सुबह जैसे ही मार्केट खुला सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स धड़ाम हो गए। ग्लोबल मार्केट में मचे कोहराम का असर भारतीय स्टॉक मार्केट पर भी नजर आया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 600 अंक टूटकर ओपन हुआ, तो निफ्टी 180 अंक फिसल गया। इसके चलते एक्सिस बैंक लेकर टाटा स्टील तक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई।

दरअसल दो दिन पहले आम बजट पेश होने के साथ ही शेयर बाजार में गिरावट जारी है। उस पर अब ग्लोबल मार्केट में मची तबाही का असर भी मार्केट पर दिख रहा है। आज भी प्री-मार्केट सेशन में ही बाजार में आने वाली

गिरावट के संकेत मिल गए थे। प्री सेशन में ही सेंसेक्स 1002.94 अंक फिसलकर खुला था। निफ्टी 248.50 अंक की गिरावट के साथ ओपन हुआ। बीती 23 जुलाई को जैसे ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कैपिटल गेन्स टैक्स में इजाफे का ऐलान किया, बाजार भरभराकर टूट गया था।

आखिरकार उप्र में पुलिस भर्ती की तारीखें घोषित

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की नई तारीखों का एलान कर दिया है। अब यह परीक्षा 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को होगी। पेपर लीक के बाद यह परीक्षा रद हो गई थी। इस बार धांधली रोकने के लिए पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। दोबारा परीक्षा में देरी के पीछे कावड़ यात्रा और यूपी में बाढ़ की स्थिति को कारण माना जा रहा था। अब परीक्षा की तारीखें सामने आने के बाद परीक्षार्थियों ने राहत की सांस ली है। वहीं इस बार परीक्षा में धांधली न हो, यह प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण कामयाब रहा

नई दिल्ली। भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इस दौरान 5,000 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली शत्रु मिसाइलों से बचाव की देश में ही विकसित क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उड़ान परीक्षण के दौरान सभी परीक्षण लक्ष्यों को शत प्रतिशत प्राप्त किया गया जिससे सम्पूर्ण नेटवर्क-केंद्रित युद्ध अस्त्र प्रणाली की पुष्टि हुई। मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की सराहना की है और कहा कि इस परीक्षण ने एक बार फिर भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया है। लक्षित मिसाइल को अपराह्न चार बजकर 20 मिनट पर एक दुश्मन बैलिस्टिक मिसाइल के प्रारूप के तौर पर प्रक्षेपित किया गया, जिसका भूमि और समुद्र पर तैनात हथियार प्रणाली रडारों द्वारा पता लगा लिया गया और 'इंटरसेप्टर' प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया।

गलत दिशा में मुड़ा और क्रैश हुआ विमान, रिपोर्ट

काठमांडू। दो दिन पहले त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट क्रैश होने से बड़ा हादसा व अठारह मौत के बाद अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जाता है कि रनवे 02 से उड़ान भरने के कुछ ही वक्त बाद विमान दाईं ओर मुड़ गया और रनवे के पूर्वी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दरअसल उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई थी। इसमें पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया है। यानि हादसे में सिर्फ एक ही शख्स (पायलट) की जान बची है। विमान रेगुलर मेंटेनेंस सर्विस के लिए पोखरा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए जा रहा था और हादसे का शिकार हो गया

मेट्रो एंकर

मानसून ने गुजरात, महाराष्ट्र समेत मध्यप्रदेश के कई जिलों में मचाई तबाही...

शहरों-सूबों की कहानी, हर जगह सिर्फ पानी-पानी

नई दिल्ली/ भोपाल, दोपहर मेट्रो

मानसून के मजबूत सिस्टम ने कई राज्यों को हिला दिया है। शहरों में नाव चलाने की नौबत है और लोग घर बार छोड़कर भागने पर मजबूर हैं। गुजरात में पिछले 3-4 दिनों से तेज बारिश का दौर से तबाही है। वडोदरा, सूरत, भरूच और आणंद समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सिर्फ वडोदरा में ही 24 घंटे में 13.5 इंच बारिश हुई है। राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 8 लोगों की मौत हुई है। निचले इलाकों से सैंकडों लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया जा रहा है। कई जगहों पर स्कूलों-कॉलेजों की भी छुट्टी कर दी गई है। ट्रेन सर्विसेस भी बाधित हुई हैं।

महाराष्ट्र के भी कई जिलों में देर रात से तेज बारिश हो रही है। एनडीआरएफ को अलर्ट पर रखा गया है। पुणे, ठाणे, रायगढ़ में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। पुणे के पूलाची वाडी में तेज बारिश के कारण करंट फैलने से 3 लोगों की मौत हो गई है। इधर मुंबई में जलभराव के कारण लोकल ट्रेन 20 से 25 मिनट की देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मुंबई में देर रात से अभी तक 100मिमी से ज्यादा बारिश हुई है। लोनावला में पिछले 24 घंटे में 275मिमी बारिश हुई है।

नेपाल के पानी से उत्तरप्रदेश में आफतः उधर, नेपाल से छोड़े जा रहे पानी के कारण उत्तर प्रदेश में राप्ती नदी उफान पर है। इससे गोरखपुर के 50 गांव में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। यहां भी NDRF और SDRF को तैनात किया गया है।

मप्र में 18 जिलों में अलर्ट

मध्यप्रदेश में 14.6 इंच बारिश हो चुकी है। बीते पांच दिनों से पूरा प्रदेश भीग रहा है। नर्मदा का जलस्तर 2 फीट बढ़ गया है। दूसरी नदियों और बांधों में भी लगातार पानी का लेवल बढ़ रहा है। गुरुवार को भोपाल, जबलपुर समेत 18 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं सागर, टीकमगढ़, बीना में बाढ़ के हालात हैं। सागर में पगरा डैम के 11 में से 5 गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। बीना के बिल्थव में लोगों को घरों की छतों से रेस्क्यू करना पड़ा। दतिया के सनकुआ धाम में युवक सिंध नदी में बह गया। निवाड़ी जिले में बुधवार शाम को जामनी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया।

कमला शासन करने के योग्य नहीं, ट्रंप ने वामपंथ समर्थक कहा

वॉशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। अब पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उपराष्ट्रपति शासन करने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने हैरिस को उग्र तौर पर वामपंथ का समर्थन करने वाली भी बताया। गौरतलब है, 81 साल के राष्ट्रपति बाइडन ने खुद को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर कर लिया है। उन्होंने भारतवंशी 59 वर्षीय कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया है। ट्रंप ने कहा, साढ़े तीन साल से झूठ बोलने वाली कमला हैरिस बाइडन के हर गलत फैसले के पीछे रही हैं।

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क

भोपाल। राजधानी के लोगों को हर साल वर्षा में गड्ढों वाली सड़कों से सफर करना पड़ता है, पिछले साल जिला प्रशासन के कई बाद निर्देश देने के बाद भी सड़कों का निर्माण नहीं कराया गया था। दरअसल हाल ही में हुई वर्षा से छह महीने पहले सड़कें बदहाल हो गई हैं। अयोध्या बायपास में हालत कृष्णा बिहार की सड़कों की हालत सच्चाई सामने आई है। **फोटो: गोल्डी रॉक**

तीन सप्ताह तक का लग रहा समय, दावा था एक दिन का!

सिस्टम का निकला दम, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए भटकने की मजबूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तंत्र के आधुनिकीकरण के दावों की असलियत नगर निगम में नजर आ रही है क्योंकि यहां पांच हजार लोगों के जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र अटके हुए हैं। यह स्थिति तब है जबकि सिटीजन रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस)पोर्टल की शुरुआत की गई है। परिजन नगर निगम के वार्ड और जोन कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। इस तकनीक का असल मकसद तो फर्जी प्रमाण पत्र बनाने पर रोक लगाना था लेकिन, पोर्टल की रफ्तार इतनी धीमी है कि जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र आवेदन के लिए जानकारी दर्ज करने में ही लंबा वक्त लग रहा है। यदि आवेदन जमा हो भी गया तो सर्टिफिकेट जारी होने में तीन सप्ताह तक का समय लग रहा है। मौजूदा अफसर कहते हैं धीरे धीरे हालात ठीक होंगें।

दरअसल, आठ साल पहले तत्कालीन निगम कमिश्नर छवि भारद्वाज ने निर्देश दिए थे कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र एक ही दिन में बनाकर दिए जाएं। इसके लिए उन्होंने दोहरी व्यवस्था कराई थी। दोपहर तीन बजे तक आवेदन लेने थे, इसके बाद उसी दिन प्रमाण पत्र जारी किया जाना था। हालांकि, यह व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई। ताजा जानकारी के मुताबिक शहर में रोज करीब सौ आवेदन जन्म प्रमाण-पत्रों के लिए तो 50 से 60 आवेदन मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए निगम के विभिन्न वार्ड कार्यालयों में पहुंचते हैं। बीते डेढ़ महीने में कार्य दिवस में चार हजार से ज्यादा आवेदन जन्म और करीब 2हजार आवेदन मृत्यु प्रमाण-पत्रों के लिए आए। इनमें अब तक केवल एक हजार प्रमाण-पत्र ही बन पाए हैं। जबकि पांच हजार लोगों के आवेदन अटके हुए हैं।

पुरानी घोषणा भी बेदम

पिछले साल महापौर मालती राय ने भी कहा था कि किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो उनके परिजनों को मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए नगर निगम कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। बल्कि, निगम अमला विश्राम घाट आदि से जानकारी लेकर सभी मृतकों के मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाएगा। दावे के मुताबिक यह प्रक्रिया एक दिन में पूरी होनी थी, ताकि मृतक के परिजनों को परेशानी नहीं हो। मगर व्यवस्था शुरू ही नहीं हो पाई।

नर्सिंग होम देंगे बच्चों के जन्म की जानकारी

निगम ने हाल ही एक व्यवस्था बनाई है कि शहर के सभी नर्सिंग होम और अस्पताल में बच्चों का जन्म या किसी की मृत्यु होती है तो इसकी जानकारी निगम को देनी होगी। इसी प्रकार विश्रामघाट, श्मशान घाट, कब्रिस्तान में किसी का अंतिम संस्कार होता है तो उसकी जानकारी निगम को भेजनी होगी। सूचना के आधार पर नगर निगम इसका पंजीयन अपने रिकॉर्ड में करेगा, ताकि जन्म प्रमाण-पत्र के लिए 21 दिन के पहले और मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए 7 दिन के पहले आवेदन की बाध्यता न रहे। गौरतलब है कि जन्म प्रमाण-पत्र अस्पताल के रिकॉर्ड और माता-पिता के आधार कार्ड के आधार पर ही 21 दिन तक बन जाता है फिर जिला सांख्यिकी अधिकारी का आदेश भी लगता है।

अब एयर इंडिया एक्सप्रेस की आमद, उड़ानों के कई विकल्प मिलेंगे

भोपाल एयरपोर्ट पर तीसरे ऑपेरटर की आमद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के हवाई यात्रियों के लिये तीसरे एयरलाइन आपरेटर के तौर पर जल्द ही एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस दस्तक देने वाली है।कंपनी ने भोपाल से बेंगलुरु तक उड़ान के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी से स्लॉट ले लिया है।

उल्लेखनीय है कि एक समय भोपाल से चार एयरलाइन ऑपरेटर हुआ करते थे। एयर इंडिया के अलावा जेट एयरवेज, स्पाइस जेट एवं एयर डेक्कन भी यहां से उड़ानों का संचालन करता था। कुछ समय के लिए फ्लाय बिग ने भी उड़ानें शुरू कीं, लेकिन बाद में एयर इंडिया को छोड़कर बाकी कंपनियों ने बेस स्टेशन बंद कर दिए। जेट एयरवेज की जगह इंडिगो ने उड़ानें शुरू की। वर्तमान में एयर इंडिया एवं इंडिगो ही उड़ानें संचालित कर रहे हैं। अगस्त माह में एयर इंडिया एक्सप्रेस तीसरे शेड्युल्ड ऑपरेटर के रूप में दस्तक देगा।

बताया जाता है कि कंपनी ने भोपाल-बेंगलुरु रूट पर उड़ान शुरू करने की तैयारी की है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार जल्द ही इसका शेड्यूल जारी किया जाएगा। एयरपोर्ट पर बुकिंग काउंटर भी खुलेगा। भोपाल से बेंगलुरू तक यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कंपनी इस रूट पर उड़ान शुरू करने की तैयारी की है।

अब तीन तीन उड़ानें

हालांकि बेंगलुरु तक इंडिगो एयरलाइंस की भी दो उड़ानें हैं। तीसरी उड़ान शुरू होने से प्रतिस्पर्धा होगी। इसका लाभ यात्रियों को मिलेगा। कंपनी भोपाल से पुणे तक उड़ान शुरू करने पर भी विचार कर रही है। पुणे उड़ान पिछले दो साल से बंद है। भोपाल से बड़ी संख्या में आईटी प्रोफेशनल्स एवं छात्र नियमित रूप से सफर करते हैं। उड़ान बंद होने से यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। पुणे तक ट्रेन में भी आसानी से टिकट नहीं मिलते।

स्वास्थ्य पर सेमिनार ...

एम्स भोपाल में न्यूरो फाउंडेशन डे के मौके पर मानसिक स्वास्थ्य पर एक सेमिनार का आयोजन हुआ। इसमें डा अंशुल सिंह ने बीमारियों के विभिन्न पहलुओं पर प्रभावी रूप से वक्तव्य दिया और इस बात पर जोर दिया कि मरीज में होने वाले सभी मानसिक व शारीरिक बदलावों पर नजर रखी जाना चाहिये।

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने झूलेलालजी की आरती की

चालीहा की साधना, सिंधी समाज रख रहा उपवास

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना का पर्व श्री झूलेलाल चालीहा संतनगर में परंपरागत तरीके से मनाया जा रहा है। सिंधी समाज के लोग चार धार्मिक स्थलों पर बहिराणा साहिब की जोत प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। छेज कर चालीहा उत्सव मना रहे हैं। पल्लव कर खुशहाली की कामना की जा रही है।

पूज्य झूलेलाल चालीहा साहिब उत्सव समिति द्वारा झूलेलाल मंदिर एच वार्ड में चालीहा का पर्व मनाया जा रहा है। प्रातः काल व सायं काल भजन कीर्तन व भगवान झूलेलाल की आरती होती है। चालीहा के आठवे दिन पूर्व मंत्री पी.सी शर्मा आरती में शामिल हुए। उन्होंने भगवान झूलेलाल की आरती की व बहिराणा साहिब में अखा डाला।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा, सिंधी समाज पुरुषार्थ समाज है, जो भी किया है अपने दम पर किया है। आरती में समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम हरचंदानी, पार्षद अशोक मारण, ब्लाक उपाध्यक्ष घनश्याम लालवानी को भगवान झूलेलाल का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

सुबह-शाम भजन कीर्तन

झूलेलाल चालीहा साहिब मंदिर समिति न्यू बी 10 में चालीहा पर्व मनाया जा रहा है। सुबह-शाम सिंधी समाज की महिलाएं एवं पुरूष इकट्?ठा होकर पूजा अर्चना कर रहे हैं। नेहरू पार्क स्थित मंदिर में झूलेलाल कल्याण मंडल सेवा समिति चालीहा उत्सव मनाया जा रहा है। आरती, भजन-कीर्तन और चालीस दिनी भंडारा चल रहा है। प्राचीन मंदिर थाने के सामने झूलेलाल मंदिर में भी चालीहा उत्सव मनाया जा रहा है। सिंधी समाज के लोग परंपरागत तरीके से जल देवता की पूजा अर्चना कर रहे हैं। सामूहिक पल्लव कर सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर

संत कॉलेज में आयकर दिवस पर विशेष सत्र का आयोजित

छात्राओं को समझाया बजट का आयकर स्लैब

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयकर दिवस पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। भारत मे आयकर विषय पर आयोजित इस सत्र मे विषय विषेषज्ञ के रुप मे डॉ (सी.ए.) अनादि मिश्रा, रीडर, फायनेंस आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल उपस्थित थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को देश की आयकर प्रणाली के महत्व एवं करदाताओं के योगदान के प्रति जागरुक करना था। इस आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी, वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. आकांक्षा अरोरा, समस्त प्राध्यापिकाएं एंव बडी संख्यां में छात्राएं उपस्थित थी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमापारवानी ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन देश मे कर प्रशासन के ऐतिहासिक विकास और करदाताओं के लिए प्रक्रिया कों सरल बनाने के उद्देश्य से हो रहे सुधारो को बतलाता है। कर प्रशासन में हुई प्रगति और चुनौतियों से निपटने के लिए उठाये गये सक्रिय कदमों से हमे अवगत होना आवश्यक है। विषय विषेषज्ञ डॉ अनादि मिश्रा ने कहा कि आयकर, एक वित्तीय वर्ष ने दौरान व्यक्तियों और व्यवसायों द्वारा अर्जित आय पर लगाया जाने वाला सरकारी कर है । उन्होंने वेतन से आय, गृह संपत्ति से आय, व्यवसाय या पेशे से आय, पूंजीगत लाभ से आय और अन्य स्त्रोतों से आय के साथ आयकर की पृष्ठभूमि, महत्व और इसके वर्तमान परिदृश्य पर विस्तार से बात की।

बजट 2024-25 के आयकर स्लैब में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होन कहा कि देश का कर प्रशासनअपनी स्थापना के बाद एक लंबा सफर तय कर चुका है। वर्तमान मे परिष्कृत, प्रौद्योगिकी-संचालित कर प्रणाली देश की प्रगति का प्रमाण है। उन्होने छात्राओं के लिए आयकर विषय आधारित प्रश्नमंच भी आयोजित किया। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा इस सफल आयोजन पर समस्त वाणिज्य विभाग को हार्दिक बधाई दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन एंव आभार प्रदर्शन प्रो. दीपिका सक्सेना, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा किया गया।

सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट निःशुल्क देगा पगड़ी रस्म का सामान

हिरदाराम नगर। सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट संत हिरदाराम नगर के द्वारा पगड़ी रस्म पर कार्पेट, कुर्सी,कूलर एवं अन्य सामान उपलब्ध कराने की सेवा अब पूर्णतः निशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। ट्रस्ट द्वारा पूरा समान तय स्थान पर पहुचा कर, कार्पेट बिछाकर साफ सफाई करवाकर, कुर्सियां लगवा कर, निशुल्क सेवा देगा एवं कोई भी चार्ज नहीं लेगा। अन्य सेवाएं निर्धन व्यक्तियों के लिए पहले से ही निशुल्क है। वो सेवाएं भी निशुल्क जारी रहेगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव रामचन्द्र सभनानी, कोषाध्यक्ष नरेश तोलानी, उपाध्यक्ष ईश्वरदास हिमथानी, अर्जुनदास मंगतानी, लख्मीचंद नरयानी, नारी तोलानी, जवाहर मूलचंदानी, दौलत रायसिंघानी, बसंत चेलानी, राजेश हिंगोरानी, नरेन्द्र लालवानी एवं अन्य ट्रस्ट के सदस्यों ने ट्रस्ट के सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। ट्रस्ट ने लोगों से पगड़ी रस्म की सूचना एक दिन पहले देने का आग्रह किया।

सरकार ने हाल ही में लगाई है इस नियम विरूद्ध भत्ते के भुगतान पर रोक

कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने की थी शिकायत, अब वसूली की मांग

आईएफएस अफसरों को दिया 2 करोड़ का नियम विरूद्ध भत्ता, अब वापस लेने की सुध नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के आईएफएस अफसरों को नियम बदलकर दिया गया करीब 2 करोड़ रुपये वापस लेने की सुध नहीं है। यह भत्ता वेतन व अन्य भत्तों के नाम पर दिया गया था, जिस पर मोहन सरकार ने रोक लगा दी है। इसको लेकर कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने आपत्ति दर्ज कराई थी।

इन्होंने लिया था नियम विरुद्ध भत्ता

राज्य वन विकास निगम, राज्य लघु वनोपज संघ, बांस मिशन, ईको पर्यटन बोर्ड, जैव विविधता बोर्ड और जबलपुर राज्य वन अनुसंधान केंद्र में सेवा देने वाले आईएफएस अफसरों ने यह भत्ता लिया था। इन्हें मूल वेतन व भत्ते समेत अन्य लाभ तो मिले ही, लेकिन बीते वर्षों में इन्होंने अर्दली भत्ते के नाम पर हर महीने 10 से 12 हजार रुपये का अतिरिक्त लाभ लिया है। कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा व अन्य ने पिछले दिनों नियम विरुद्ध दिए जा रहे अर्दली भत्ते को सरकार के सामने चुनौती दी थी। जिसके बाद सरकार ने लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के पहले नियम विरुद्ध किए जा रहे इस भुगतान पर रोक लगा दी थी लेकिन अब तक वसूली के आदेश जारी नहीं किए।

काम करने वालों के नाम पर लिया था लाभ

यह भत्ता ये कार्यालय से लेकर घरेलू कामकाज में मदद करने के लिए एक कर्मचारी रखने के नाम पर ले रहे थे। जिसके कोई प्रावधान ही नहीं थे। विधायक डॉ. हीरालाल अलावा का कहना है कि जिन अधिकारियों ने मिलकर शासन को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया, उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाएं और शुरू से लेकर अब तक जिन-जिन अधिकारियों को अर्दली भत्ते का भुगतान हुआ, उसका ब्यौरा तैयार कर वसूली की जाए या वेतन व पेंशन से राशि की कटौती की जाए।

शून्य नामांकन वाले स्कूलों में पदस्थ हैं 355 शिक्षक आज भेजेंगे दूसरे स्कूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों में भेजने जिला व राज्य स्तर पर होगी काउंसलिंग

प्रदेश के शून्य नामांकन वाले स्कूलों में करीब 355 शिक्षक पदस्थ हैं। इन शिक्षकों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयार कर ली है और अब इन्हे दूसरे स्कूलों में भेजा जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय संचालक ने संबंधित जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गुरुवार को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इनकी काउंसलिंग की जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि शून्य नामांकन वाले स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से अन्य शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में रिक्त पदों पर भेजा जाना है। इन शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। इन शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से अन्य स्कूलों में भेजा जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारियों को संबंधित शिक्षकों की प्रारंभिक काउंसलिंग कर जानकारी तैयार रखनी होगी। इसके बाद राज्य स्तर से काउंसलिंग शुरू होगी। काउंसलिंग जिलेवार होगी और ऐसे शिक्षक जो काउंसलिंग में उपस्थित नहीं होंगे उनको अनुपस्थित मानते हुए प्रशासनिक रूप से पदस्थ किया जा सकेगा।

38 जिलों के हैं शिक्षक: प्रदेश के 38 जिलों के शून्य नामांकन वाले करीब 200 स्कूलों में 355 शिक्षक पदस्थ हैं। जिन्हे शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों में भेजा जाएगा। जारी आदेश के साथ शून्य नामांकन वाले स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की सूची भी जारी की गई है। जारी सूची के अनुसार, प्रदेश के 38 जिलों में 355 शिक्षक शून्य नामांकन वाले स्कूलों में पदस्थ हैं। इसमें भोपाल जिले के 6 शिक्षक हैं।

भाजपा के भीतर हलचल बाकी कांग्रेस नेताओं के चलते खिंची खाई

पहले भी दो मौजूदा और विश्नोई समेत चार पूर्व मंत्री जता चुके हैं नाराजगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भाजपा में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, यह बात मंत्री नागर सिंह चौहान के इस्तीफा देने की धमकी से फिर सामने आई है और भीतर ही भीतर इसके डैमेज कंट्रोल के लिये जोरदार कवायद भी चल रही है। हाल में पूर्व मंत्री और विधायक अजय विश्नोई ने मंत्री नागर की नाराजगी को लेकर अपनी ही पार्टी को कटघरे में खड़ा किया है। यही नहीं, उन्होंने कांग्रेस से आए रावत को लेकर भी कहा कि कांग्रेस से आने वाले मंत्री बन रहे हैं, यह उनका सौभाग्य है और हम जैसे भाजपाईयों का दुर्भाग्य है। नागर की नाराजगी के संबंध में बयान देते हुए कहा कि उन्होंने जो कहा होगा, वह सोच समझकर ही कहा होगा।

दरअसल कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल कर उपकृत करने को लेकर विश्नोई पहले भी खफा हो चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि भाजपा ज्वाइन करने वालों का स्वागत मजबूरी में करना पड़ रहा है। कांग्रेसियों को लेने पर तंज कसने वालों में मंत्री प्रहलाद पटेल व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पूर्व मंत्री पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह, ललिता यादव भी सुर्खियों में रहे हैं। हालांकि मंत्री नागर सिंह चौहान चेतावनी के बाद मान चुके हैं और अपने जिले में लौट चुके हैं। वह सरकार द्वारा वन और पर्यावरण विभाग छीनने के बाद से नाराज थे। ये विभाग मंत्री रामनिवास रावत को दिए गए हैं।

कब किसने क्या कहा

मंत्री प्रहलाद पटेल ने कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के -भाजपा डस्टबिन बन चुकी है। वाले बयान को लेकर कहा था कि मोदी सरकार ने दो और तीन डिब्बे बनाकर रखे हैं। कहीं गीला कचरा जाता है, कहीं सूखा कचरा जाता है और कहीं मेडिकल वेस्ट जाता है। अब मेडिकल वेस्ट दूर बचा है बाकी कचरे तो ठीक है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से विजयवर्गीय के सामने ताल ठोकने वाले संजय शुक्ला हालांकि अब भाजपा ज्वाइन कर चुके हैं। मगर जब शुक्ला पार्टी ज्वाइन कर रहे थे, तभी कैलाश विजयवर्गीय मंच पर मजाक में ही सही लेकिन यह शुक्ला को यह कहने से खुद को नहीं रोक पाए थे कि तुम्हारी गाली सुनी अब पार्टी में लेना पड़ रहा है। पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा था कि कांग्रेसी पके हुए बेर की तरह टपक-टपक कर आ रहे हैं। इससे भाजपा का कोई नुकसान है नहीं, बल्कि पार्टी तो भयग्रस्त लोगों का भय दूर कर रही है। पूर्व मंत्री ललिता यादव भी आने वालों को आईना दिखा चुकी है। उन्होंने कहा था कि जो आ रहे हैं, उन्हें एक्जेस्ट होना पड़ेगा, करेंगे नहीं। वहीं पूर्व मंत्री व जबलपुर लोकसभा की पाटन विधानसभा से भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने तो पाटन के पूर्व कांग्रेस विधायक नीलेश अवस्थी के 28 मार्च को भाजपा का दामने पर एक्स प्लेटफार्म पर लिखा था कि नीलेश अवस्थी का स्वागत है। भाजपा ज्वाइन करने वालों का स्वागत करना हमारी मजबूरी है।

स्टॉफ व टॉयलेट सीट को कन्वर्ट करके विमान को छह सीटर बनाया

कांग्रेस का आरोप- पीएमश्री वायुसेवा हुई नाकाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अब्बास हफीज ने मप्र सरकार द्वारा विगत माह शुरू की गई पीएमश्री वायु सेवा को नया भ्रष्टाचार बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उज्जैन, सिंगरौली, जबलपुर, इंदौर, भोपाल, रीवा, खजुराहो आदि स्थानों पर सस्ती दरों पर वायुयान सेवा उपलब्ध कराने की बात कही थी, एक अन्य बयान में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा था कि 2-2 महीनों की एडवांस बुकिंग चल रही है लेकिन सच्चाई यह है कि कंपनी केवल 10 दिन की ही बुकिंग ले रही है। हफीज ने कहा कि सरकार की यह योजना पूरी तरफ नाकाम हो चुकी है। सिंगरौली और उज्जैन से ये सेवा बंद हो चुकी है। मुख्यमंत्री के ग्रह क्षेत्र में मांग होने के बाद भी संचालन बंद किया जाना समझ से परे है। चूंकि अब केवल 5 स्थान बचे हैं जहां यह सेवाएं संचालित हो रही हैं। हफीज ने वायुसेवा को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री ने 6 सीटर विमान चलाने की बात कहीं थी लेकिन केवल 4 सीटर विमान ही संचालित किये जा रहे है, एक सीट स्टाफ की और एक सीट टायलेट को कन्वर्ट करके 6 सीटर विमान बना दिया जाता है। यदि विमान सेवा लेने वाले व्यक्ति को यह मालूम पड़ जाये कि वह टायलेट पर बैठा है तो स्थिति क्या होगी? किराया भी इतना अधिक लिया जा रहा है जो अनुचित है। इतने किरायें में व्यक्ति दिल्ली की हवाई यात्रा कर लेता है।

विदेश से स्नातकोत्तर-पीएचडी के लिए स्कॉलरशिप, 31 तक कर सकते हैं आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विदेश से स्नातकोत्तर-पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों के स्कॉलरशिप के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने आवेदन मंगाए हैं। प्रदेश के सामान्य, अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में पोस्ट ग्रेजुएशन एवं पीएचडी उपाधि के लिए स्कॉलरशिप स्कीम सत्र 2024-25 (सत्र जुलाई से दिसम्बर) के अन्तर्गत यह आवेदन बुलाए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप लेने के लिए उच्च शिक्षा संचालनालय में आवेदन जाकर जमा करना होगा या डाक द्वारा भेजना होगा। आवेदन सिर्फ ऑफलाइन माध्यम से ही जमा होंगे। विद्यार्थियों का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। विद्यार्थी का अर्हकारी परीक्षा यूजी पीजी में 60 प्रतिशत से अधिक अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

सही मायनों में शिक्षा का अर्थ अपने ज्ञान का दूसरों की भलाई में उपयोग करना: उदय प्रताप सिंह

छात्र-परिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए स्कूल शिक्षा मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नई शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। प्रदेश के विद्यालयों में शिक्षा को रोजगार से जोड़ने का कार्य प्राथमिक स्तर पर किया जा रहा है। विद्यार्थी क्षमता अनुसार विषय चुन सकें और अपनी रूचि के अनुसार सही केरियर का चयन कर सकें, इसके लिये स्कूलों में विषय विशेषज्ञों के माध्यम से काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है। यह बात स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने भोपाल के देहली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में नवगठित छात्र-परिषद के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कही। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि सही मायनों में शिक्षा का अर्थ अपने ज्ञान का दूसरों की भलाई में उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को स्कूल का आदर्श वाक्य स्वयं से पहले सेवा को आत्मसात करना चाहिए।

मेट्रो एंकर | गोदामों की जांच करने उतरेगी अफसरों की टीम

बिना टैक्स चुकाए खरीदी मूंग-उड़द, सरकार चौकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मूंग और उड़द की खरीदी में अभी छह दिन और बाकी हैं। यह 31 जुलाई तक खरीदी जायेगी। इस बीच बड़ी संख्या में व्यापारियों ने बिना मंडी टैक्स चुकाए मूंग और उड़द की खरीदी की भनक लगने पर सरकार सतर्क हो गई है। बताया जाता है कि इस उजप को वेयरहाउस द्वारा जारी लाइसेंस वाले गोदामों के अलावा निजी गोदामों में रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक इस तरह की जानकारी सामने आने के बाद खाद्य विभाग ने 4 हजार से ज्यादा वेयर हाउसों के अलावा ऐसे गोदामों की जांच का फैसला किया है। जिसमें व्यापारियों ने बिना टैक्स चुकाए मूंग और उड़द की खरीदी कर ली है। अब उनका स्टॉक चैक किया जाएगा। गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इस मामले में कल अफसरों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा है कि बिचौलिए किसानों से मूंग और उड़द की खरीदी कर महंगे दामों पर इनको बेच रहे हैं। इसकी निगरानी नहीं हो पा रही है। यह भी पता चला है कि कई जिलों में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने किसानों से खरीदी कर स्टॉक जमा कर लिया है। इस पर तत्काल राज्य स्तरीय दल बनाकर जांच कराई जाए। मंत्री ने कहा है कि यदि गड़बड़ी मिल रही है तो गोदामों को सील किया जाए और संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करें। यदि सरकार ने लाइसेंस दिया है और उन गोदाम संचालकों को किराया दिया जा रहा है तो निगरानी करने वाले वेयर हाउस के अफसर पर कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में अफसरों ने बताया कि वर्तमान में मूंग और उड़द का समर्थन मूल्य 8500 रुपए प्रति क्विंटल है। जबकि मंडी में इसके दाम 7 हजार से 7500 रुपए प्रति क्विंटल है। इसलिए व्यापारी सीधे किसान से खरीदी समर्थन मूल्य पर बेचने की तैयारी कर रहे हैं। अभी सरकार समर्थन मूल्य पर मूंग और उड़द की खरीदी कर रही है। प्रति किसान से एक दिन में सिर्फ 40 क्विंटल से ज्यादा खरीदी नहीं की जा रही है।

वहीं मंत्री राजपूत ने कहा कि उपभोक्ता के राशन का यदि बायोमैट्रिक नहीं है तो आधार से जुड़े मोबाइल में ओटीपी के माध्यम से भी खाद्यान्न उपलब्ध कराएं। बुजुर्ग उपभोक्ता द्वारा नामिनी बनाए गए व्यक्ति को भी खाद्यान्न दिया जा सकता है।

संपादकीय

किसानों की तकलीफें

देश में किसान समाज और राजनीति का केंद्र हमेशा रहा है। बाद में सियासत की बदलती जरूरतों के चलते वह सियासत का भी जरूरी किरदार बना दिया गया।चूंकि भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है,इसलिये किसान की हर बात,मांग या तकलीफ समाज को प्रभावित करती है। मगर उसकी तकलीफों का सही हल नहीं हो पाता। किसान आज भी कई तरह की समस्याओं और परेशानियों से घिरे हुए हैं। लेकिन परेशानियों की सबसे बड़ी त्रासदी किसानों की आत्महत्या के रूप में सामने आती है। जबकि यह मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।देश के कमोबेश हर बडे कृषि क्षेत्र वाले राज्य में किसान उम्मीदों के दम तोड़ने के साथ ही आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। इसमें महाराष्ट में किसानों की हालत बहुत परेशान करती है। सरकार की एक रपट के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से जून के बीच राज्य में 1,267 किसानों ने आत्महत्या कर ली। राष्टीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2022 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 11,290 लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिनमें 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे और इनमें महाराष्ट्र से सबसे ज्यादा थे। इसी तरह वर्ष 2021 में कृषि कार्यों में लगे 10,881 लोगों और 2020 में 10,677 लोगों ने अपनी जान दे दी। किसानों की खुदकुशी के पीछे पारिवारिक कर्ज या आर्थिक संकट को सबसे बड़ी वजह माना जाता है। हालांकि इन आर्थिक परेशानियों के भी कई स्तर हैं। मसलन, प्राकृतिक आपदा, कर्ज का बोझ, फसलों की बड़ती लागत, घटती आय और फसलों के उत्पादन में गिरावट। महाराष्ट्र सरकार की रपट में कहा गया है कि राज्य में पिछले छह माह में किसानों की खुदकुशी के सबसे ज्यादा मामले विदर्भ क्षेत्र के अमरावती मंडल में सामने आए हैं। बहुत से किसान खेती के लिए बैंक और साहूकारों से कर्ज लेते हैं और अगर प्राकृतिक आपदा की वजह से फसल बर्बाद हो जाए या उत्पादन कम हो, तो उनके लिए कर्ज चुकाना मुश्किल हो जाता है। उर्वरक, खेती के लिए उपकरण और सिंचाई पर होने वाला खर्च बड़ रहा है, जबकि किसानों की आय में बड़ोतरी नहीं हो रही है। लिहाजा, किसानों की आर्थिक परेशानियां बड़नी स्वाभाविक हैं। लंबे समय से चली आ रही न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी की मांग भी लंबित है। दूसरी ओर, उद्योग जगत के ॠणों के प्रति सरकार के नजरिए में जो नरमी देखी जाती है, वह किसानों के लिए नहीं दिखती। ऐसे में किसानों की समस्याओं की जटिलता अगर उन्हें आत्महत्या के कगार पर ले जाती है तो इसे एक नतीजे के तौर पर देखा जा सकता है। इस समस्या के निराकरण के लिए ठोस और कारगर उपाय किए जाने जरूरत है, अन्यथा यह स्थिति और जटिल होती चली जाएगी। किसानों को परेशानी से उबारने के लिये अक्सर सरकार ॠण माफी की बात करती हैं, लेकिन यह माफी दिखावा या प्रतीकात्मक ही सिध्द हो जाती है। इसी तरह खेती को फायदे का धंधा बनोने की बातें भी सरकारें खूब करती हैं लेकिन किसान परिवार की बदहाली दावों को उघाड़कर रख देती हैं। जरूरत लोकलुभावन बातें करने की नहीं है बल्कि किसान की वास्तविक समस्या को हल करने, उनकी मांगों को समझने की है। जबड़ किसान परेशान होकर धरने या प्रदर्शन के लिये निकलते हैं तो इसके पीछे राजनीतिक चेहरों या दलों को तलाशने की निर्रथक बातें शुरू हो जाती हैं। यदि किसान को वास्तविक रूप से तकलीफ नहीं होगी तो वह क्यों घरबार छोड़कर कई दिन सप्ताह या महीनों तक सड़कों पर बैठा रहेगा।

बजट भाषण में दिखा वित्तीय इंजीनियरिंग की कुशलता व राजनीति का सटीक प्रबंधन

■ शंकर अय्यर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 7,800 शब्दों वाले करीब नब्बे मिनट के बजट भाषण में वित्तीय इंजीनियरिंग की कुशलता व राजनीति का सटीक प्रबंधन दिखता है।बजट दरअसल पवित्र राजनीतिक मंशा की एक अभिव्यक्ति होता है। सरकार के लिए यह राजनीतिक सहयोगियों को आश्वस्त करने का एक अवसर है, लेकिन साथ ही यह आर्थिक आवेगों को भी बढ़ावा देता है। 2024 का बजट राजनीतिक मजबूरियों और आर्थिक अनिवार्यताओं के चौराहे पर पहुंचा है। लोकसभा चुनावों के दौरान बयानबाजी का सिलसिला, सत्ताधारियों के संख्याबल में कमी और जीडीपी में वृद्धि व निजी उपभोग के दावों और 'फील-गुड' कारक के बीच की दूरी ने राजनीतिक अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में उम्मीदें बढ़ा दी थीं।

बजटों का शिल्प, कला और विज्ञान दोनों होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 7,800 शब्दों वाले करीब नब्बे मिनट के भाषण में आय पिरामिड में सबसे नीचे से आने वाली दर्द भरी चीखों का सुनना दिखता है। बजट में हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ किए जाने की कोशिश है। बजट राजनीति का कुशल प्रबंधन वित्तीय इंजीनियरिंग में दिखाई देता है। बजट से पहले दो सहयोगियों तेदेपा और जदयू ने अपने समर्थन की कीमत जाहिर कर दी थी, जिसे पूरा भी किया गया है। नए बजट में वे सभी बातें हैं, जो लोग सरकार से सुनना चाहते हैं। बजट में नौ प्राथमिकताएं सूचीबद्ध हैं। बजट लोकलुभावन वादों को छोड़ संरचनात्मक दृष्टिकोण का विकल्प चुनता है। इसमें कृषि अनुसंधान, उच्च उपज वाले बीज जारी करने, प्राकृतिक खेती की शुरुआत, दालों और तिलहनों के लिए मिशन, खराब होने वाली वस्तुओं के लिए क्लस्टर, डिजिटल सर्वेक्षण, किसान क्रेडिट कार्ड के विस्तार, मवेशियों और झींगा पालन के लिए वित्तपोषण की समीक्षा की पेशकश की गई। सरकार ने बेरोजगार युवाओं की बात सुनी और रोजगार से जुड़ा एक प्रोत्साहन कार्यक्रम तैयार किया है, जिसमें नियोक्ताओं को लागत में छूट, शिक्षार्थियों को वित्तीय मदद, और नौकरी चाहने वालों को मौके शामिल हैं।

बजट टीम भारत के विचार को पुनर्जीवित करने के लिए एक रूपरेखा का वादा करती है, जिसमें राज्यों व केंद्र में समरूपता होगी। बजट में शहरीकरण की शक्ति को भी पहचाना गया है। इन्हें विकास का केंद्र माना गया है, लेकिन इतना काफी नहीं, क्योंकि भारत में शहरों के प्रबंधन को बदलने के लिए प्रतिमानों में बड़ा बदलाव जरूरी है। इसमें संदेह नहीं कि बजट में कई आशाजनक बिंदु हैं। सब कुछ कहने और हो जाने के बाद यह देखना बाकी है कि जो कहा गया है, वह पूरा होता है या नहीं। यह वास्तव में उम्मीद की लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा है।

पांच साल के लिए मजबूत नींव रखता बजट राहत के साथ प्रोत्साहन का भी बनेगा आधार

■ टी वी मोहनदास पाई

वर्ष 2024 का बजट अत्यधिक प्रत्याशित रहा, खासकर प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के बाद कि पिछला दशक आने वाले पांच वर्षों में अपेक्षित परिवर्तनकारी परिवर्तनों के लिए केवल एक प्रस्तावना या 'ट्रेलर' था। यह बजट नौ प्रमुख क्षेत्रों के आसपास संरचित है, जिसमें रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है, जो सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। सरकार 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हुए 'अच्छी भुगतान वाली नौकरियां' निर्मित करने की अपनी प्राथमिकता में काफी स्पष्ट रही है। इस संबंध में, शिक्षा के लिए बढ़ा हुआ बजट आवंटन दूरगामी प्रभाव वाला एक रणनीतिक कदम है। दूसरी तरफ, कृषि अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य दूरगामी सोच वाले दृष्टिकोण को दर्शाते हुए उत्पादकता बढ़ाना है।

एक और उल्लेखनीय पहल रोजगार से जुड़ा प्रोत्साहन कार्यक्रम है, जहां सरकार भविष्य निधि में नियोक्ता का हिस्सा और ईपीएफओ के साथ पंजीकृत नए कर्मचारियों के लिए पहले महीने का वेतन, जो पंद्रह हजार रुपये तक हो, कवर करेगी। इसके अतिरिक्त, विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जो इस क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। कार्यबल में महिलाओं के लिए बढ़ा हुआ बजट आवंटन और शिक्षा ॠण की ब्याज दरों में तीन प्रतिशत की छूट समावेशी विकास की दिशा में सराहनीय कदम हैं। इसके अलावा, सरकार ने एक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है जिसका लक्ष्य एक करोड़ भारतीय युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में आवासीय और व्यावसायिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच अंतर को कम किया जा सके। बजट में आंध्र प्रदेश और बिहार राज्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो राजनीति में विश्वस्त सहयोगी होने के नाते स्वाभाविक भी था। बिहार के लिए, कोसी नदी बेसिन में बाढ़ सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना एक महत्वपूर्ण कदम है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बजट क्रेडिट गारंटी योजना को बढ़ाना और मुद्रा लोन सीमा को रुपये 20 लाख तक बढ़ाने जैसे उपायों से एमएसएमई को आवश्यक वित्तीय सहायता मिलने, उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बजट में शहरी विकास को प्राथमिकता वाला क्षेत्र माना गया है, जिसमें जल आपूर्ति, स्वच्छता एवं परिवहन के लिए 10 लाख करोड़ रुपये के पर्याप्त निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। कई सुधारों के प्रस्ताव के साथ सरकार ने शहरी ढांचों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है, जो सतत विकास एवं जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए जरूरी है, क्योंकि भारत का भविष्य शहरी क्षेत्रों पर ही निर्भर है। बजट में ऊर्जा परिवर्तन को भी प्रमुखता से शामिल किया गया है, जिसमें सोलर रूफटॉप नीति की शुरुआत की गई है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालयों में अनुसंधान की फंडिंग के लिए एक लाख करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण आवंटन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र को शामिल किया गया है, जो नवाचार के महत्व को रेखांकित करता है। बजट में रोजगार, भूमि संबंधी मामलों और वित्तीय क्षेत्र में अगली पीढ़ी के सुधारों की रूपरेखा पेश की गई है, जिसका उद्देश्य व्यापार सुगमता को बढ़ाना और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करना है। बजट प्राप्तियां बढ़कर 32.07 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं, जबकि राजकोषीय घाटा जो अंतरिम बजट में 5.1 फीसदी था, वह घटकर 4.9 फीसदी रह गया है। यह कमी मुख्य रूप से जीडीपी में वृद्धि, उच्च प्राप्तियों और कम व्यय के कारण आई है।

2023-24 के वास्तविक खातों से पता चलता है कि संशोधित बजट में निर्धारित 5.8 फीसदी की तुलना में राजकोषीय घाटा घटकर 5.6 फीसदी रह गया है। बजट प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर में कई तरह के बदलाव लाता है। हालांकि अप्रत्यक्ष करों, विशेष रूप से जीएसटी का सरलीकरण एक सकारात्मक कदम है। लेकिन कर कटौती एवं उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी जैसे कई मुद्दे अब भी हैं। कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी से शेयरबाजार में सूचीबद्ध निवेशकों के लिए चिंताएं बढ़ी हैं। सूचीबद्ध वित्तीय संपत्तियों पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स को 10 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है, जबकि शॉर्ट टर्म गेन पर टैक्स को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। सरकार ने सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध, दोनों प्रतिभूतियों के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर को एक समान 12.50 फीसदी रखकर दोनों के बीच के अंतर को पाट दिया है। यह गैर-सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए दर में बड़ी कमी है, जिससे स्टार्ट-अप्स में पूंजी प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा। सोना एवं चांदी पर कर घटाकर छह फीसदी कर दिए जाने से इनकी तस्करी तो घटेगी ही, मूल्यवर्धन एवं निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा एंजल टैक्स हटाने से स्टार्ट-अप को भी बड़ी राहत मिली है। व्यक्तिगत कराधान के मामले में बजट ने कई लोगों को निराश किया है। जबकि प्रति व्यक्ति 17,500 रुपये की सकल कटौती के साथ कुछ कर राहत दी गई है। कर संरचना के छह स्लैब को बनाए रखना शायद अनावश्यक रूप से जटिल है। तीन-स्लैब की संरचना अधिक सरल होती। बजट का एक और महत्वपूर्ण पहलू विवाद समाधान पर ध्यान केंद्रित करना है। विवाद से विश्वास योजना की शुरुआत का उद्देश्य कुछ लंबित आयकर विवादों को हल करना है। प्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क और सेवा कर से संबंधित अपील दायर करने की मौद्रिक सीमा बढ़ा दी गई है, लेकिन यह अधिक प्रभावी होता, यदि उच्च न्यायालय के निर्णयों का बेहतर सम्मान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के लिए सीमा कम से कम 50 करोड़ रुपये तक बढ़ा दी जाती। कुल मिलाकर, यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप आगामी पांच साल के लिए ठोस नींव रखता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में राहत और प्रोत्साहन प्रदान करता है, जिसमें रोजगार सृजन, शहरी विकास और महिला कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। हालांकि, बजट मध्यम वर्ग की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहा है, जो लगातार कर बोझ उठाता है। पूंजीगत लाभ कर में वृद्धि इक्विटी संस्कृति को भी कम कर सकती है, जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

– साभार

निशाना

बदला बदला रुप है !

– कृष्णेन्द्र राय

बदल गए अचानक ।
ज्ञान रहे हैं बांट ।।
बदला बदला रुप है ।
बंद हो गई ठाट ?
लगते कभी कूदने ।
और कभी ख़ामोश ।।
है किसकी रणनीति ?
कहें किसका दोष ।।
ये कैसा व्यवहार ।
करने को उद्धार ।।
लगता चल कर इसी राह ।
है आनी बहार ?
किया कभी अपमान ।
कभी करते प्यार ।।
कर सकते प्रवेश ।
शायद नए द्वार ।।

आज का इतिहास

- 2010 ब्रिटिश एय रवेज ने एक स्टाफ पत्रिका में एक तस्वीर के लिए माफी जारी की, जिसमें निहित था कि ओसामा बिन लादेन के पास प्रथम श्रेणी के लिए लगातार फ्लाइंग बोर्डिंग पास था।
- 2011 कोपेनहेगन सबऑर्बिटल्स ने दुनिया के सबसे बड़े निजी तौर पर निर्मित रॉकेट, ॥श्वज़् 1ङ्ग ज़्4ष्ठ्ठश् क्वह्म्ड्डद्द को नेक्सो से 30 किमी पूर्व बाल्टिक सागर में आग लगा दी। कोपेनहेगन सबऑर्बिटल्स एक डेनिश गैर-लाभकारी एयरोस्पेस संगठन है जिसने कई निजी तौर पर निर्मित रॉकेटों का निर्माण और प्रक्षेपण किया है। संगठन का मुख्य लक्ष्य सरकारी कार्यक्रमों के बाहर उप-मानवयुक्त मानवयुक्त अंतरिक्ष यान के अपेक्षाकृत सस्ते रूपों और बड़े, लाभ-लाभ निगमों के प्रभाव को विकसित करना है।
- 2012 गोल्फ में, टाइगर वुड्स ने ओहियो के डब्लिन में मुइरफील्ड विलेज गोल्फ क्लब में खेले गए मेमोरियल टूर्नामेंट को जीता, पीजीए टूर जीत के लिए जैक निकलॉस के साथ। एल्ड्रिक टोंट ÷टाइगर÷ वुड्स (जन्म 30 दिसंबर, 1975) एक अमेरिकी पेशेवर गोल्फर है जो अब तक के सबसे सफल गोल्फरों में से एक है। वह कई सालों तक दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में से एक रहे हैं।
- 2012 दाना एयर फ़्लाइट 992, नाइजीरिया के अबूजा से लागोस जाने वाली एक यात्री फ़्लाइट को दोहरी इंजन विफलता का सामना करना पड़ा और एक इमारत में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे बोर्ड पर सभी 153 की मौत हो गई और जमीन पर दस और घायल हो गए।
- 2013 उत्तरी-पूर्वी चीन के जिलिन प्रांत में एक मुर्गी फार्म में आग लगने से 119 लोगों की मौत हो गयी।

मुझे लगता है कि यह सब प्रेम का मामला है; जितना अधिक आप किसी स्मृति से प्रेम करते हैं, वह उतनी ही मजबूत और अजीब हो जाती है।
- व्लादिमीर नाबोकोव

शिक्षा से ही टूटेगा डेरों और बाबाओं का तिलिस्म

■ गुरबचन जगत

वर्ष 1971 में मैंने पुलिस सेवा ज्वाइन ही की थी जब बतौर एसएसपी कपूरथला मेरी नियुक्ति हुई। सप्ताह के आखिर में अपने गांव आया, सोचा था सुबह देर से उठूंगा और दिनभर आराम करूंगा। लेकिन मुझे सूर्य उदय से पहले उठना पड़ा जब परिवार के पुराने नौकर ने सूचित किया कि पड़ोस के गांव से जीतू जट्ट नाम का व्यक्ति मुझसे मिलना चाहता है। मुझे याद आया कि जीतू तो वही है जो एक छोटा-मोटा भविष्यवक्ता है और अपने तीर-तुक्कों से लोगों के खोए पशु पाने में मदद किया करता है। लेकिन उस वक्त वह खुद पूरी तरह शर्मिंदा था जब बताया कि उसकी हवेली से उसके अपने बैल चोरी हो गए हैं! मैंने उसे पुलिस में रिपोर्ट लिखवाने को कहा, पर उसने झिझकते हुए कहा कि यह करना उसके धंधे के लिए बुरा सिद्ध होगा क्योंकि लोग कहेंगे खुद पर पड़ी तो पुलिस की मदद लेने चला गया। खैर, उसके पशु मिल गए और उसकी 'साख' सलामत रही। आमतौर पर माना जाता है कि इस किस्म की गतिविधियां गरीब और अनपढ़ों तक सीमित होती हैं- तो यहां मुझे आपकी गलतफहमी दूर करने दें। यह बात मैं पुलिस सेवा में बहुत साल बिताने और काफी अनुभव पाने के आधार पर कह रहा हूं। यह कहानी है हमारे पूरे देश की और कैसे बहुत से भविष्य बताने वाले, शामन, बाबा और छोटे-मोटे शातिर इतने बड़े हो गए कि सत्ता का तानाबाना तक उनके हाथ में आ गया।

इस सदी के शुरू में मैं दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा बल के मुखिया के तौर पर नियुक्त था। कुछ दिनों बाद एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी मुझे मिलने आए और एक तरह से मुझे आदेश दिया कि मैं उनके साथ जाने-माने बाबा के यहां चलूं। मैंने उन्हें बताया कि मैं उस 'भले मानुस' को 'अच्छी तरह' जानता हूं लिहाजा उसके पास नहीं जाऊंगा। मैंने उसका सफर तहसील स्तर से जिला स्तरीय और फिर राजधानी में राज्यस्तरीय होते देखा था, जहां उसकी छवि एक छोटे-मोटे कथित ज्योतिषी की थी, जो भोले-भाले लोगों को अपनी बातों से झूठी तसल्ली परोसता हो (अधिकांश स्थानीय लोग उसकी असलियत से वाकिफ थे और उसका ठेठ पंजाबी में एक हास्यपूर्ण

सा उपनाम भी प्रचलित था)। फिर वह दिल्ली चला आया जो कि उसका मास्टर स्ट्रोक सिद्ध हुआ क्योंकि यहां आकर उसने नए रंग-ढंग के दबंग और चमत्कारी बाबा वाले अवतार में खूब चांदी काटी। मेरे पूर्व वरिष्ठ अधिकारी मेरे इंकार से कुछ मायूस हुए, फिर भी उन्होंने मुझे यह कहकर मनाने की कोशिश की कि खुद उसने मुझे साथ लाने को कहा है। परंतु मैं अपनी बात पर अड़ा रहा। किंतु इससे पहले मैं जल्दी से आपको इन बाबाओं के सत्संग के अपने निजी अनुभव बताना चाहूंगा (हमारी एजेंसियां इन सबकी खबरें लगातार देती रहती थीं)। ऐसे एक बाबा के यहां वीआईपी लोगों का तांता लगा रहता जिसमें भारत सरकार के सचिव स्तर के अधिकारी और उनकी पत्नियों, केंद्रीय मंत्रियों से लेकर अन्य उच्च पदेन लोग हाजिरी भरते। वे वहां क्या करते रहते थे? कुछ महिलाएं जो वैसे तो अपनी हैसियत की वजह से नकचढ़ी रहती थीं, लेकिन डेरे में बाबा के पैर दबाती, कुछ तो उसके सिर पर चम्पी इत्यादि किया करती थीं। जो वहां देखा वो ऐसा कि उस पर यकीन करने को आंखें मलनी और खुद को चिकोटी काटनी पड़े। यह तथाकथित दैवीय पुरुष राष्टीय स्तर की नीतियोंङ्क आर्थिक और राजनीतिक- तक को प्रभावित करने का दम रखते हैं। कुछेक ऐसे दैवीय पुरुष भी थे जो दिल्ली के मालिकों से कहीं ऊंचे दायरों में विचरा करते और हीरे की अंगूठियों से अटी उनकी अंगुलियां बहुत से चमत्कार दिखातींज्कुछ नाम लेकर बताऊं, तो दिमाग में धीरेंद्र ब्रह्मचारी, महेश योगी और चंद्रास्वामी कौंध रहे हैं।

चलिए फिर से वर्तमान में लौटते हैं, परिदृश्य में जिधर देखो कोई न कोई डेरा और भांति-भांति के रंगों और स्वरूप वाले बाबा नजर आते हैं। कुछ गांव के स्तर के साधारण बाबा हैं, कुछ शहर स्तर के और कुछ राज्यस्तरीय, कुछ आंचलिक स्तर के तो कुछ राष्टीय स्तर वाले। इनमें अधिकांश की शख्सियत में कुछ अंश चमत्कारी पुरुष का, कुछ राजनेता वाला, कुछ व्यापारी, कुछ अकूत जमीन जायदाद का स्वामी और इन सबसे ऊपर है, बातों से प्रभावित करने की कला। गरीब लोग उनके पास अपनी रोजमर्रा की छोटी-मोटी समस्याओं का चमत्कारी निवारण पाने की चाह लिए जाते हैं, अमीर और अमीर होने को, राजनेता वोट हासिल करने और इसके बूते सत्ता हथियाने की गर्ज से। मेरा यकीन कीजिए, जितना बड़ा डेरा होगा उतना बड़ा उसका वोट बैंक होगा और उतनी ही बड़ी संख्या होगी चुनाव के वक्त दंडवत करने वाले नेताओं की। कृपया यह न सोंचे कि मैं यह सब बढ़ा-चढ़ाकर लिख रहा हूं। राज्य सरकार का खुफिया विभाग इन डेरों का आकलन करता है, उनके भक्तों की संख्या और वित्तीय संपत्ति का अनुमान लगाता है। यह सूचना उन्हें डोरे डालने अथवा ब्लैकमेल करने के काम आती है। उनको मुहैया सुरक्षा के ब्योरे के मुताबिक बाबा की हैसियत ऊंची या कम आंकी जाती है। अब तो वे एक कदम आगे जाकर खुद चुनाव लड़ने लगे हैंङ्कक्या राजनेता इसे अपने लिए खतरे की घंटी मानेंगे? क्या आपको वह 'डिस्को बाबा' याद आया और कैसा तांडव उसने हरियाणा में मचाया था? जब जी करता है कभी जेल में तो कभी पैरोल पर अपने आश्रम में होता है। बहुत से बाबा बलात्कार और हत्या के अभियोग में जेल काट रहे हैं, लेकिन कारागर भी उनके लिए आश्रम ही है।

कहीं पाठक यह न समझे बैठें यह सब केवल भारत में होता है, तो यहां मुझे बताने दीजिए कि विश्व इतिहास में ऐसे कई मामले हैं जहां तथाकथित दैवीय पुरुष अपने स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों के अंधविश्वास, डर और गरीबी का दोहन करते आए हैं। उनके कई नाम हो सकते हैं ज्शामन से लेकर मंगोल तक, काले जादू में माहिर से लेकर रेड इंडियन तक, इंग्लैंड के ड्रयुइड और प्राचीन यूनान के नजूमी भी, लेकिन समाज में जो खराबी उन्होंने रोपी, वह इतिहास में एक समान है। रूस में ज़ार पर रास्पुतिन नामक नजूमी की शैतानी छाया हावी रही। जब कोई रास्पुतिन या दैवीय पुरुष शीर्ष स्तर पर अपना प्रभाव बना ले तो बाकी देश में देखादेखी छोटे-मोटे प्रारूप कुकुरमुत्ते की भांति उग आते हैं। 20वीं सदी के शुरू में सिखों को अपने गुरुधाम महंतों के चंगुल से छुड़वाने के लिए एक पूरा आंदोलन चलाना पड़ा था। इन महंतों को ब्रिटिश सरकार की शह प्राप्त थी और उन्होंने ऐतिहासिक गुरुद्वारों के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्वरूप को बदलकर, अपनी निजी जागीर में तबदील कर डाला था। इस तरह का बड़ा खेल आज भी जारी हैङ्कमायावी, कथित दैवीय पुरुष, राजनेता का गठजोड़ बनाम साधारण जनता। वैज्ञानिक सोच और सम स्वभाव रखने वालों की गिनती दयनीय रूप से अत्यंत कम हैं। इन बाबाओं की शैतानी यह कि अपने भक्तों को, विशेषकर गरीब आस्थावानों को, अज्ञानता और उम्मीद रूपी शिकंजे में फंसाए रखते हैं। हमारी अधिकांश समस्याओं, इस वाली समेत, का उपचार केवल शिक्षा है। शिक्षा दिमाग से सभी जाले हटा देती है और वैज्ञानिक सोच पैदा करती है। सबसे ऊपर, जिज्ञासा का तार्किक उत्तर पाने को यह हर चीज और हरेक प्रपंच पर सवाल करना सिखाती है, तभी तो बाबा चाहते हैं कि चेले उनके अंधभक्त बने रहें तो वहीं राजनेताओं की तरजीह है कि जनता अपने हकों से अंजान बनी रहे, ये दोनों जिज्ञासु सोच को बढ़ावा देना कतई नहीं चाहेंगे। निष्कर्ष में, मैं रबिन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन और इसके कालजयी ज्ञान का आह्वान करना चाहूंगा 'जहां चित्त भयहीन हैज्जहां ज्ञान मुक्त हैज्आजादी के उस स्वर्ग में बैठे परमपिताज्मेरे देशवासियों को जागरूक बनाएं।'

– लेखक मणिपुर के पूर्व राज्यपाल हैं, साभार

गुरुकुल महाविद्यालय में पौधा रोपण: समाज को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कानून व्यवस्था आवश्यक

आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर एवं पौधा वितरण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में एवं अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के आतिथ्य में एवं श्रीमती शशि सिंह, सचिव / जिला न्यायाधीश की सहभागिता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा बुधवार को नर्मदापुरम स्थित आर्ष गुरूकुल महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा शिविर में उपस्थित गुरूकुल के आचार्यो एवं शिष्यों को बताया कि समाज को स्वस्थ्य रखने के लिए कानून व्यवस्था आवश्यक है। साथ ही शिष्यों को मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में बताया कि मौलिक अधिकार जहाँ हमें देश में कहीं भी स्वतंत्र रूप से रहने बसने की स्वतंत्रता देते हैं तो वहीं मौलिक कर्तव्य हमें देश के प्रति हमारे दायित्व को निभाने का आदेश देते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम की सचिव श्रीमती शशि सिंह द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा संचालित की जा योजनाओं के संबंध में बताया गया। खासकर बच्चों के लिए नालसा द्वारा बनायी गयी नालसा बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएँ और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएँ योजना, 2015 के बारे में जानकारी दी गई। कि यह कभी भी प्रश्नगत नही किया जा सकता कि बच्चे किसी समाज का सबसे असुरक्षित हिस्सा होते हैं। वे विश्व जनसंख्या के लगभग एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा यदि उन्हें पर्याप्त अवसर प्रदान नहीं किये जाता, उन्हें भविष्य का जिम्मेदार नागरिक बनाने का अवसर वर्तमान पीढ़ी के हाथ से निकल जायेगा।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सलिल बाली बनाम भारतीय संघ (यू.ओ.आई.) तथा अन्य, 2013, vii ए.डी. (एस.सी.) मामले में व्यक्त उपरोक्त सम्प्रेरण दर्शाता है कि युवा पीढ़ी के प्रति हमारा यह दायित्व है कि प्रत्येक बच्चे के लिए विधिक सेवा सहित सभी अवसर खोले जाएँ ताकि उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास हो तथा उनकी क्षमता का शारीरिक, मानसिक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास हो।

आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम के प्रधानाचार्य सत्यसिंधु आर्य ने बताया की सन 1912 में आर्ष गुरुकुल की स्थापना हुई. इसे 111 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं. अभी तक आर्ष गुरुकुल पूरे देश में शिक्षा के क्षेत्र में भारत की संस्कृति को संजोए रखा है। प्राचीन ऋषि मुनि जो वेद संस्कृत द्वारा संस्कृति का पालन किया जाता था वैसे ही यह आर्ष गुरुकुल कर रहा है। पूरे भारतवर्ष के बच्चे यहां पर शिक्षा ग्रहण करते हैं। यहां किसी भी जाति का बंधन नहीं है। प्रत्येक जाति के बच्चों को यहां शिक्षा दी जाती है। गुरुकुल में संस्कृति और उपनिषदों की शिक्षा दी जाती है। गौ शिक्षा, यज्ञ शिक्षा की जो हमारी शिक्षाएं हैं। आचार्य आयुष ने बताया कि वर्तमान में भारत में हमारे आर्य संस्कृति को मानने वाले कई लोग हैं। आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम के शिष्य 24 देशों में जाकर प्रचार प्रसार और भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उक्त शिविर के समापन उपरांत अध्यक्ष एंव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गुरूकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे शिष्यों को वृक्षों की महत्वता बताते हुये उन्हें अपने जीवन कम से कम 01 पौधा लगाने की बात कही गई एवं आम, आंवला, पीपल, सीताफल, जामुन, बेलपत्र, इमली, इत्यादि के पौधे वितरित किये गये। उक्त शिविर में गुरूकुल के आचार्य सत्यसिंधु आर्य, आचार्य, श्री दीपक आर्य, श्री धुरंधर आर्य, मोहन शास्त्री आर्य, भीमसिंह जी वानप्रस्थ न्यायाधीश कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विहिप ने सीएम राइज स्कूल में बसों के संचालन के लिए दिया ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।
नगर के सीएम राइज स्कूल में विगत एक माह से अधिक होने के बाद भी प्रशासन द्वारा दी जा रही बसों की सुविधा को ठेकेदार द्वारा नहीं दिए जाने के विरोध में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने स्कूली शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापित ज्ञापन अनुविभागीय दंडाधिकारी को सौंपा गया।

उक्त जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद ग्रामीण प्रखंड मंत्री उमेश अंकिले ने बताया की आज विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री शिव राठौर के मार्गदर्शन एवं जिला सह मंत्री सनुप सिंह यदुवंशी की उपस्थिति में स्थानीय तहसील परिसर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर सीएम राइज स्कूल में बसों के संचालन शीघ्र प्रारंभ किया जाए इस मांग को लेकर स्थानीय तहसीलदार राकेश खजुरिया को सोपा गया ज्ञापन में मांग करते हुए विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री शिव राठौर ने कहा कि शासकीय सी एम राइज उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी मालवा में मध्य प्रदेश सरकार की गरीब बच्चो केलिए शिक्षा की सभी सुविधाए का लाभ हो इस लाभ लेने के लिए आसपास ग्रामीण नगरीय छेत्र के पालकों ने अपने बच्चो का एडमिशन करवा दिया था। शासन द्वारा भी निशुल्क परिवहन सुविधा दिए जाने का प्रावधान भी हे लेकिन एक माह से अधिक समय हो गया आज तक भी बसों का परिवहन प्रारंभ नही हो पाया है जिसके कारण छात्र छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है वे स्कूलों में अनुपस्थित हो रहे वही उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है छात्र छात्राएं स्कूल से स्थानांतरण अन्य विद्यालयों में करा रहे हैं इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा प्राचार्य से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया की भोपाल की समाया केब प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विद्यालय में बसों का संचालन होना हे लेकिन उन्होंने इस सत्र 2024/25 में अभी तक भी बसों का संचालन शुरू नही किया गया है तथा भोपाल समाया केब प्राइवेट लिमिटेड से बात करने पर दो दिन का आश्वासन विगत 15 दिनों से दिया जा रहा है एक माह से अधिक होने के बाद बसों का संचालन प्रारंभ नहीं किया जा रहा है उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापित ज्ञापन में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने छात्र छात्राओं की समस्याओं को देखते हुए अति शीघ्र बसों का संचालन प्रारंभ किया जाए एवं उक्त समाया केब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कार्यवाही कर किसी और कंपनी से बसों के संचालन का टेंडर देकर सुचारू रूप से चालू करवाई जावे।

ज्ञापन देने वालों में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग मंत्री शिव राठौर पूर्व बजरंग दल प्रखंड संयोजक भाजपा नेता कमलेश लोवंशी हरिओम राठौर जिला सह मंत्री सनुप सिंह यदुवंशी ग्रामीण प्रखंड मंत्री उमेश अंकिले नगर संयोजक भुरू बग्गन नगर सामाजिक समरसता प्रमुख रविन्द्र छिरेले नगर धर्माचय संपर्क प्रमुख ओमप्रकाश जोशी ग्रामीण उपाध्यक्ष कम्मू गोर नगर उपाध्यक्ष नरेंद्र योगी नगर मठ मंदिर संपर्क प्रमुख कृष्णकांत तिवारी नगर सह सेवा प्रमुख सुशील गोहर सौरभ महोरिया ऋषभ राठौर इशांत राठौर जानी नागले भुरू सेन तरूण सुनानिया प्रदीप तिवारी निक्की राठौर कमल लोवंशी के साथ ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने स्कूलों का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों की कम उपस्थिति होने पर नाराजगी व्यक्त की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम भावना दुबे द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम का शासन निर्देशानुसार शासकीय माध्यमिक शाला सांगाखेडाकलां, शासकीय हाईस्कूल आरी एवं शास उच्चतर माध्यमिक शाला आंचलखेडा जिला नर्मदापुरम का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपरोक्त शाला में सभी शिक्षक समय पर उपस्थित पाए गये। संस्थाओं में छात्रों की कम उपस्थिति होने पर उन्होने नाराजगी व्यक्त कर उपस्थिति बढ़ाये जाने के निर्देश दिये।

संयुक्त संचालक द्वारा छात्र-छात्राओं के प्रोफाइल अपडेशन, छात्रवृत्ति, सायकिल वितरण एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण संबंधी जानकारी संस्था प्रमुख से चाही गयी। शासकीय उ.मा.वि.ऑचलखेडा में संस्था प्रमुख द्वारा कक्षा 12 की कम पुस्तकें प्राप्त होना बताया गया इस संबंध में संयुक्त संचालक ने प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी को संस्था में पुस्तकें की पूर्ति किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांगाखेडाकलां प्रभारी प्राचार्य राजेश यादव संस्था में 10.30 बजे संस्था में अनुपस्थित पाऐ गये अनुपस्थिति के संबंध में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। इस संबंध संयुक्त संचालक द्वारा आयुक्त के निदेशानुसार संभागान्तर्गत सभी प्राचार्यो को शाला प्रारंभ होने के पूर्व प्रातः 10.00 बजे शाला में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देशित किया गया है।

बानापुरा के दुर्गा कॉलोनी में खिला ब्रह्म कमल, देखने उमड़े लोग

सिवनी मालवा. *सिवनी मालवा के उपनगर बानापुरा में जीतू रघुवंशी के यहां दुर्गा कॉलोनी में बुधवार के दिन ब्रह्म कमल खिला। श्रावण के महीने में ब्रह्म कमल का खिलना भगवान शंकर को अर्पण करना बड़ा ही शुभ माना जाता है। बताया जाता है कि ब्रह्म कमल साल में तीन बार खिलते हैं।*

मेट्रो एंकर | आत्मनिर्भर पंचायत सेमिनार में जिपं सीईओ ने दिया प्रस्तुतीकरण

नर्मदापुरम के फॉर्म टू किचन मॉडल को मिली सराहना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में आत्मनिर्भर पंचायत, समृद्ध मध्य प्रदेश विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती की उपयोगिता एवं इससे आदिवासी अंचल की स्वासहायता समूह की दीदियों को हुए लाभ को बताया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में तीन जिलों को ही मिला प्रस्तुतीकरण का अवसर जिसमें सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम सौजान सिंह रावत द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया।

श्री रावत ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना के मार्गदर्शन में की जा रही है प्राकृतिक सब्जी की पैदावार। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजान सिंह रावत द्वारा 'फार्म टू किचिन' विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री एन्दल सिंह कंसाना, कैलाश विजयवर्गीय, कुंअर विजय शाह आदि द्वारा सहभागिता की गयी। विशेष बात यह है कि राज्य स्तर पर मात्र तीन जिलों भोपाल, ग्वालियर एवं नर्मदापुरम को प्रस्तुतीकरण दिये जाने का अवसर प्रदान किया गया।

सीईओ जिला पंचायत रावत द्वारा विषय के रूप में आदिवासी विकास खंड केसला जो कि कुपोषण हेतु चिन्हांकित भी है, में ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किये जा रहे प्राकृतिक खेती को चुना गया था। सीईओ जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि किस प्रकार 34 स्व सहायता समूहों के 102 महिला सदस्यों द्वारा 72 एकड में प्राकृतिक खेती करके न केवल उत्पादन की लागत को कम किया है बल्कि अपनी आर्थिक उन्नति भी की है। किस प्रकार महिलाओं का चयन, स्थल का चयन, सब्जी की प्रजातियों का चयन किया गया, उन्नत प्रशिक्षण महिलाओं को प्रदान किया गया, उत्पाद के सही विक्रय हेतु मार्केट लिंकेज कैसे संभव हुआ आदि का विस्तृत व्यौरा सीईओ जिला पंचायत द्वारा कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया। साथ ही बताया गया कि प्राकृतिक खेती राशायनिक खेती से किस तरह उन्नत एवं फायदेमंद है एवं उन महिलाओं के भी उदाहरण प्रस्तुत किये गये जिनके द्वारा यह कार्य किया गया है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में किये जा रहे उक्त कार्य के विषय में जानकारी दी गयी 'फार्म टू किचिन' अवधारणा में ग्रीन एन्ड ग्रेन्स संस्था द्वारा किये गये सहयोग का उल्लेख करते हुए बताया गया कि संस्था के सहयोग एवं ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदियों की मेहनत एवं जिला स्तर पर किये गये शासकीय प्रयासों के माध्यम से किसानों की वार्षिक आय में 70 हजार से 1 लाख रूपये प्रतिवर्ष की वृध्दि सुनिश्चित हुई है। टमाटर एवं बैगन प्रसंस्करण के लिए सोलर ट्रायल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। भविष्य की कार्ययोजना बताते हुए अवगत कराया गया कि समूहों को सशक्त बनाने हेतु - माइक्रो-प्रोसेसिंग इकाइयाँ, दाल मिल, मसाला इकाई, बाजरा पोहा और बहुत कुछ को शामिल किया जा रहा है।

अवैध रेत उत्खननकर्ताओं के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
कलेक्टरनिर्देशों के पालन में अवैध उत्खनन / परिवहन / भण्डारण के विरूद्ध कार्यवाही के दौरान खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग नर्मदापुरम द्वारा गत दिवस 10 जुलाई को ग्राम-रामपुरगुर्रा, तह-इटारसी में रेत खनिज का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर 01 वाहन ट्रेक्टर ट्राली बिना नंबर सोनालिका को जप्त कर पुलिस थाना-रामपुरगुर्रा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफआईआर क्रमांक-0092/2024 दर्ज करायी गयी एवं 14 जुलाई को ग्राम-मरोड़ा, तह-इटारसी में रेत खनिज का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर 01 वाहन ट्रेक्टर ट्राली बिना नंबर सोनालिका को जप्त कर पुलिस थाना-रामपुरगुर्रा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया।

वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफआईआर क्रमांक-0093/2024 दर्ज करायी गयी है। 17 जुलाई को जिन्द बाबा मंदिर पेट्रोल पम्प के पास नर्मदापुरम, तहसील-नर्मदापुरम में रेत का अवैध परिवहन करते हुये 01 वाहन ट्रेक्टर ट्राली बिना नंबर स्वराज-735 को जप्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुमर में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफआईआर क्रमांक-0377/2024 दर्ज करायी गयी। 18 जुलाई को ग्रीन पार्क ढाबा के पास नर्मदापुरम, तहसील-नर्मदापुरम में रेत का अवैध परिवहन करते हुये 01 ट्रेक्टर ट्राली बिना नंबर स्वराज-744 को जप्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध एफआईआर क्रमांक-0376/2024 दर्ज करायी गयी तथा 18 जुलाई को ग्राम-निटाया, तह0-नर्मदापुरम में रेत का अवैध परिवहन करते हुये 02 ट्रेक्टर ट्राली बिना नंबर सोनानिका एवं स्वराज-744 को जप्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम में सुरक्षार्थ खड़े किये गये एवं वाहन मालिकों/चालकों के विरूद्ध एफआईआर क्रमांक-0378/2024 एवं एफआईआर क्रमांक-0379/2024 दर्ज करायी गयी। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत भी कार्यवाही की जा रही है।

कुशल दैनिक श्रमिक निगम कार्य से पृथक

सिरोंज। मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक ने बताया कि मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कार्पोरेशन शाखा विदिशा पर उपार्जन वर्ष 2024-25 की ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान मंगलवार 23 जुलाई को सोशल मीडिया दैनिक भास्कर एप पर एक वायरल वीडियो में प्रथम दृष्ट्या एक किसान से कुशल दैनिक श्रमिक ज्ञानेश तिवारी द्वारा कुछ लेन-देन करते हुए दिखाई दे रहे थे जिसमें किसान श्री बाबू सिंह राजपूत द्वारा बताया गया कि सर्वेयर द्वारा पैसे लेकर तुलाई का कार्य किया जा रहा है। प्रसारित हुई न्यूज में परिलक्षित हुई एवं वर्णित परिस्थितियां अत्यधिक खेदजनक होने के साथ-साथ शासन प्रशासन और निगम में जिले की छवि धूमिल करने वाली है उक्त घटना को संज्ञान में लेकर कुशल दैनिक श्रमिक ज्ञानेश तिवारी को शाखा प्रबंधक विदिशा द्वारा निगम के कार्य से तत्काल पृथक करने की कार्यवाही की गई है।

एक प्रकरण में नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा फरार आरोपी के एक प्रकरण में सूचना देने वालो को दो-दो हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना सिरोंज जिला विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 365/2022 के दो फरार आरोपी राजू पुत्र नाथुडा पारदी और गूजर सिंह पुत्रउ नाथुडा पारदी निवासीगण ग्राम खेजडाचक थाना धरनावदा जिला गुना की सूचना देने वालो को दो-दो हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

जिले में अब तक 422.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई

सिरोंज। जिले में इस वर्ष अब तक 422.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज हो चुकी है जबकि आज बुधवार को 28.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर बुधवादर 24 जुलाई की प्रातः आठ बजे दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 17 मिमी, बासौदा 30.4 मिमी, कुरवाई में 30.4 मिमी, सिरोंज में 16 मिमी, लटेरी में 21.5 मिमी, ग्यारसपुर में 52, गुलाबगंज में 28 मिमी, नटेरन में 36 मिमी, शमशाबाद में 15.5 मिमी तथा पठारी तहसील में 36 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। जिले की तहसीलो में अब तक दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 525 मिमी, बासौदा में 293.4 मिमी, कुरवाई में 488.6 मिमी, सिरोंज में 329 मिमी, लटेरी में 542.1 मिमी, ग्यारसपुर में 400 मिमी, गुलाबगंज में 304 मिमी, नटेरन में 416 मिमी, शमशाबाद में 370.2 मिमी तथा पठारी तहसील में 556 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

अंर्तविभागीय सकारात्मक पहल से कार्यो का संपादन करें -कलेक्टर

आमजन परेशान न हो ऐसा विजन रखें अधिकारी:विधायक शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।
विधानसभा क्षेत्र में क्रियान्वित विकास कार्यो एवं योजनाओं तथा विभागीय कार्यो की समीक्षा सेमलखेडी स्थित जैन तीर्थ स्थल सभागार में आयोजित की गई थी। विधायक उमाकांत शर्मा ने बैठक में सभी विभागो के अधिकारियों से कहा कि सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के विकास हेतु विभाग ही विजन तैयार कर आमजनों के हितार्थ हेतु आवश्यक कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराएं ताकि स्थानीय आमजन नवीन कार्यो से लाभांवित हो सकें। इसी प्रकार की अपेक्षा हितग्राहीमूलक योजनाओं व कार्यो को संपादित करने वाले विभागो के अधिकारियों से उनके द्वारा व्यक्त की गई है।

विधायक श्री शर्मा ने विभागीय कार्यो की समीक्षा के दौरान अपूर्ण कार्यो पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी इस ओर विशेष पहल करें ताकि पुराने सभी कार्य शीघ्रतिशीघ्र पूर्ण हो सकें। उन्होंने सड़क पहुंच मार्गो के निर्माण कार्यो सहित अन्य निर्माण कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा बैठक में की है। उन्होंने पिछले पांच सालो से स्वीकृति के उपरांत अनेक कार्य शुरू तक नहीं हो पाए है लक्ष्य तयकर इन कार्यो को शीघ्र पूरा कराने की अपेक्षा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के लिए हरेक विभाग एक वर्षीय विजन तय करें ताकि उनकी देखरेख में ही कार्य पूर्ण हो सके।

पेयजल आपूर्ति के प्रबंध सुनिश्चित हो

विधायक श्री शर्मा ने सिरोंज नगरीय क्षेत्र में पेयजल की समस्या के निदान हेतु वैकल्पिक सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान में हर रोज पेयजल की सप्लाई नहीं हो पा रही है। अतः वैकल्पिक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं ताकि नगरीय क्षेत्रों के रहवासियों को हर रोज पेयजल आपूर्ति हो सकें।

पौधरोपण

सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा, कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य तथा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने ग्राम पंचायत सेमलखेड़ी में एक पेड़ मां के नाम अभियान तहत पौधरोपण में भी सहभागिता निभाई है। उनके द्वारा यहां अमरूद का पौधा रौपा गया है।

बिजली आपूर्ति के प्रबंध सुनिश्चित हो

सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए है उनके संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए है नियमानुसार बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। इस कार्य के लिए आवश्यकतानुसार स्टाफ बढाने के संबंध में निर्देश दिए गए साथ ही बिजली के तार चोरी संबंधी मामले में पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में वन भूमि पर अतिक्रमण संबंधी प्राप्त हो रही शिकायतो के निराकरण के संबंध में दल गठित किया गया है।

संग्रहालय निर्माण कार्य शीघ्र पूरा हो

विधायक उमाकांत शर्मा ने महामाई मंदिर के समीप जिले का दूसरा तैयार हो रहा पुरातत्व संग्रहालय के निर्माण कार्यो की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने कहा कि यह कार्य शीघ्र पूर्ण होना चाहिए किन्तु विगत दो वर्षो से यह कार्य निर्माणाधीन है। संबंधित विभाग का अमला इस उक्त दल में शामिल एसडीएम, एसडीओपी, वन विभाग का अमला संयुक्त रूप से कार्यवाही करेगा।

नलजल योजनाएं सुचारू रूप से संचालित हो

सिरोंज व लटेरी क्षेत्र में पेयजल हेतु संचालित पुरानी व नवीन नलजल योजनाओं के सुचारू रूप से संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश बैठक में दिए गए। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में 45 नलजल योजनाओं में से 39 क्रियाशील है। बंद योजनाओं को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश बैठक में दिए गए है।

गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण

लोक निर्माण विभाग के माध्यम से एनएचआई द्वारा क्रियान्वित सडको के निर्माण कार्यो के संबंध में भी बैठक में चर्चा की गई। इस दौरान पुल पुलियों पर ब्रिज निर्माण के संबंध में सेतु निगम विभाग के अधिकारियों का निर्देश दिए गए है कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए ताकि कोई अप्रिय घटना घटित ना हो साथ ही सडक व पुलो के बीच ऐसे स्लोप दिए जाए ताकि सुगमता से आवागमन हो सकें ताकि यातायात में किसी भी प्रकार की बाधा ना होने पाएं।

कार्य को ध्यान देकर शीघ्रतिशीघ्र पूरा कराएं।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि जो मुद्दे बैठक के दौरान संज्ञान में लाए गए हैं। उन पर संबंधित विभाग समय सीमा में कार्यवाही करना सुनिश्चित करें ताकि आगामी बैठक के पूर्व इन मुद्दो के निराकरण की जानकारी संबंधित विभागों के अधिकारी प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने जिला व खंड स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ अन्य सभी विभागों के अधिकारियों से आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्यों सहित अन्य कार्यों को पूरा करें के निर्देश दिए हैं। आम नागरिक किसी भी कार्य तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए परेशान ना हो इस हेतु टीम वर्क की भावना से कार्य करें। किसी भी अधिकारी को कार्यों के संपादन में किसी भी प्रकार की कोई समस्या आ रही है तो तुरंत संज्ञान में लाएं। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बैठक में मौजूद पुलिस विभाग के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। उन्होंने सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में कानून व्यवस्थाएं बनाए रखने हेतु निर्देशित किया है।

गमछा देकर सम्मानित

विधायक उमाकांत शर्मा ने बैठक के दौरान जिन विभागों के द्वारा उत्कृष्ट कार्यों का संपादन किया गया है उन्हें गमछा भेंट कर सम्मानित भी किया गया है। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, सिरोंज एसडीएम हर्षल चौधरी, लटेरी एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन सहित जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सुविधाएं

सिरोंज विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी कार्यों के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सिरोंज व लटेरी के अस्पतालों में बेहत्तर चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया कराई जाएं मरीजों व उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो का विशेष ध्यान रखें। विधानसभा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए हैं।

लड़की की शादी में दावत न देने पर बनी सहमति

सिरोंज। ग्राम पंचायत मुगलसराय में कुरैशी समाज की बैठक आयोजित की गई जिस में सिरोंज से भी कुरैशी समाज के भी कुछ हजरात शामिल हुए इस बैठक में सभी ने अपनी अपनी बात रखी वहीं अधिकतर कुरैशी समाज के लोगों का कहना था की निकाह मस्जिद में कराया जाए और लोकल के बारातियों को शादी में अगर बारात शहर के शहर में या फिर गांव के गांव में आती है तो किसी के लिए भी खाने की दावत न दी जाए और बारात से पहले जो रतजगा दिया जाता है उसे भी बंद करने की बात कही गई सभी ने इस काम को रोकने की सहमति दी। आपको बता दें कि इस काम की शुरुआत कोर्ट मोहल्ले के कुरैशी समाज के कुछ लोगों द्वारा पहल की गई थी और इस संबंध में कोर्ट मोहल्ले और फखरुद्दीन साहब के पहाड़ पर मशवरा भी रखा गया था और पूर्व में जनपद पंचायत भगवानपुर रीछन चटोली मोहल्ला कीड़ी नकाश मोहल्ला रकाबगंज मे बैठक रखी गई थी जिसमें समाज जनों द्वारा इस बात पर सहमति जाहिर की गई थी इस बात की सूचना जैसे ही ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचना शुरू हुई तो समाज जन जागरूक हुए और ग्राम पंचायत मुगल सराय में भी कुरैशी समाजजनों ने इस संबंध में बैठक का आयोजन कर ऐसी कुरुतियों को रोकने पर सहमति जहिर की आने वाले टाइम पर इस्तीमई की शादियां भी करेंगे।

कलेक्टर पहुंचे अस्पताल, एनआरसी वार्ड में बच्चे नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सेमलखेड़ी में लेने के बाद कलेक्टर ने शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे तो एनआरसी वार्ड में एक भी बच्चा नहीं मिलने पर जिम्मेदारों को फटकार लगाते हुए नाराजगी जाहिर करते हुए बीएमओ और एनआरसी वार्ड का संचालन करने वालों से बच्चे नहीं होने का सवाल किया तो कोई जवाब नहीं था एनआरसी वार्ड में सुविधा नहीं मिलने के कारण इस तरह की हालत हमेशा बने रहते हैं। कलेक्टर ने कहा कि वार्ड में बच्चों की नियमित भर्ती और जांच पड़ता सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए वही उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी चर्चा की ओर बीएमओ से अस्पताल में आने वाली मरीजों के संबंध में जानकारी लेते हुए अस्पताल में आने वाली मरीजों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के संबंध में दिशा निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही अस्पताल में नहीं होनी चाहिए मरीज का समय पर इलाज हो सभी डॉक्टर समय से आए और पूरे समय मरीजों को उपलब्ध रहे। इस दौरान स्थानीय एसडीएम हर्षल चौधरी, बीएमओ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान तहत पौधरोपण में सहभागिता

सिरोंज। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत विदिशा जिले के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद स्तर पर पौधरोपण का कार्य जारी है। साथ ही पौधो को संरक्षित रखने के प्रबंध भी सुनिश्चित किए जा रहे है इस अभियान तहत आज विदिशा विधायक मुकेश टण्डन सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करैयाखेडा पहुचकर पौधरोपण किया और उन्होंने मानव जीवन में पौधो का क्या महत्व है और यह कितने जरूरी है पर प्रकाश डाला। पौधरोपण कार्य के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डा डीके शर्मा सहित अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करैयाखेडा के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहें।

मेट्रो एंकर आवारा कुत्तों एवं सांडो से लोग परेशान, नपा सीएमओ नहीं दे रहे है ध्यान

प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग से सफाई अभियान को लग रहा पलीता, शहर में कचरे में बड़ी तादाद में पॉलीथिन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका द्वारा शहर में विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की गई है. प्रतिदिन शहर के एक वार्ड में विशेष सफाई अभियान संचालित कर साफ-सफाई कराई जावेगी. जहां एक ओर नगर पालिका विशेष सफाई अभियान चला रही है, तो वहीं दूसरी ओर शहर में धड़ल्ले से प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग होने से कचरे में बड़ी तादाद में प्लास्टिक एवं पॉलीथिन दिखाई दे रही है। लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित पॉलीथिन पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है।

शहर में दुकानदारों से लेकर लोगों द्वारा धड़ल्ले से प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किया जा रहा है. प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध कभी कभार अभियान चलाकर कार्यवाही कर दी जाती है। लेकिन ठोस एवं सतत कार्यवाही के अभाव में एवं जिम्मेदारों द्वारा इस ओर कोई ध्यान न देने के कारण प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को लेकर लोगों के हौसले बुलंद है. इनकी रोकथाम करने को लेकर कोई ठोस कार्यवाही होती नहीं दिखाई देती है. जिससे शहर में इनका क्रय, विक्रय एवं उपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है।

कचरे में काफी मात्रा में होती है पॉलिथीन–शहर में प्रतिबंधित पॉलिथीन के बड़े पैमाने में उपयोग के कारण शहर में कचरे के ढेर में काफी मात्रा में पॉलिथीन निकलती है. सड़कों पर भी बड़ी मात्रा में कचरे में पॉलिथीन के ढेर दिखाई देते हैं. जिसके कारण शहर की साफ सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होती है. इनके कारण शहर की नालियां, नालों के भी जाम होने की संभावना रहती है. जिसके कारण नालियों का पानी एवं कचरा सड़कों पर आने से लोगों को असुविधा होती है।

पर्यावरण एवं मवेशियों को नुकसान

प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का बड़े पैमाने पर उपयोग पर्यावरण को प्रदूषित करता है. वहीं सड़कों पर सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के ढेर के कारण मवेशियों को भी नुकसान पहुंचने की संभावना रहती है. शहर में दुकानदारों से लेकर लोग बेखौफ इनका उपयोग करते दिखाई देते हैं. कई बार पॉलिथिन उपयोग के खिलाफ अभियान चलाकर लोगों को जागरूक भी किया जा चुका है. बावजूद इसके बड़े पैमाने पर इनका उपयोग किया जा रहा है।

सतत एवं ठोस कार्यवाही का है अभाव

प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध कभी कभार अभियान चलाकर शहर में कार्यवाही की जाती है. लेकिन सतत एवं ठोस कार्यवाही के अभाव में इनके क्रय, विक्रय एवं उपयोग करने वालों के हौसले काफी बुलंद है. शहर के बाजारों में दुकानों पर प्रतिबंधित पॉलीथिन का धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है।

स्थानीय सांसद ने लोकसभा में उठाया रेलवे लाइन का मुद्दा

सिरोंज। लोकसभा सत्र शुरू होते ही सिरोंज के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा क्षेत्रीय सांसद लता वानखेड़े ने लोकसभा में शून्य काल के दौरान उठाया है। उन्होंने पहली बार लोकसभा के दौरान अपना सवाल रखते हुए कहा कि मेरी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुरवाई, सिरोंज, शमशाबाद तीन विधानसभा आती हैं, वर्तमान में रेलवे लाइन नहीं होने के कारण विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

उन्होंने इन विधानसभाओं में रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए भोपाल से बैरसिया शमशाबाद, सिरोंज होते हुए गुना जोड़ने की बात रेल मंत्री से करते हुए कहा कि पूर्व में भी रेल लाइन का सर्वे हो चुका है पर काम आगे प्रारंभ नहीं हुआ है प्राथमिकता पर इस कार्य को करवाने का आग्रह किया और कहा कि रेल लाइन आने से विकास को भी गति मिलेगी । पुलिस से पहले कई सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा पहुंचे पर पहली बार कब तक में ही रेल लाइन का मुद्दा उठाकर प्राथमिकता इस काम को करवाने की मांग की है।जिसकी जानकारी लगने के बाद से ही क्षेत्र लोग खूब प्रशंसा कर रहे हैं। लोकसभा का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। जिसमें स्थानीय कार्यकर्ता सांसद लता वानखेड़े को धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। इसलिए इन विधानसभाओं को रेलवे लाइन से जोड़ने की बात रखी है यदि रेल लाइन का कार्य प्रारंभ हो जाएगा तो क्षेत्र को भी काफी फायदा होगा व्यापार में ही वृद्धि होगी आने जाने में भी आसानी होगी अभी रेल लाइन नहीं होने के कारण पिछड़े क्षेत्र में गिनती होती है उससे भी मुक्ति मिल जाएगी। पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने भी सिरोंज को रेल मार्ग से जोड़ने का प्रयास किया कई सांसद बने उनके द्वारा भी चुनाव में आश्वासन दिया पर किसी ने इस काम को प्राथमिकता से करवाने के लिए इस तरह से गंभीरता से प्रश्न लगकर सवाल लोकसभा में नहीं किया जो काम लता वानखेड़े ने किया इसके बाद लोगों को रेल लाइन आने की उम्मीद जाग गई है।

भारत का ओलंपिक अभियान आज से मैच में निशाना साधेंगे 6 तीरंदाज

पेरिस ओलंपिक 2024 में तीरंदाजी से होगा अभियान का आगाज

पेरिस, एजेंसी

भारतीय टीम गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में तीरंदाजी से अपने अभियान का आगाज करने जा रही है। लेस इनवैलिड्स गार्डन में होने जा रहे क्वालिफिकेशन राउंड में सभी 6 तीरंदाज हिस्सा लेंगे। इनमें दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय शामिल हैं, जो चौथा ओलंपिक खेल रहे हैं। तीरंदाजी को ओलिंपिक में 1988 में शामिल किया गया था। तब से भारतीय तीरंदाज लगभग हर ओलंपिक खेल में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन अभी तक पोडियम तक पहुंचने में नाकाम रहे हैं। अनुभवी तरुणदीप राय और दीपिका कुमारी अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रहे हैं। उनकी अगुआई में टीम को पसंदीदा ड्रॉ हासिल करने के लिए क्वालिफिकेशन में कम से कम शीर्ष 10 में जगह बनानी होगी। प्रत्येक तीरंदाज 72 तीर चलाएगा और क्वालिफिकेशन दौर में भाग ले रहे 53 देश के 128 खिलाड़ियों के स्कोर के आधार पर रविवार से शुरू होने वाली मेन नॉकआउट प्रतियोगिता के लिए वरीयता तय की जाएगी। भारतीय टीम के लिए ये क्वालिफिकेशन दौर महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि भारतीय टीम अक्सर निचली वरीयता हासिल करती रही है, जिससे नॉकआउट चरण में उन्हें दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीम का सामना करना पड़ता है।

भारतीय तीरंदाजी मेंस
इवेंट टाइमिंग
शाम 5 : 45 बजे से
क्वालिफिकेशन में टॉप
10 में बनानी होगी जगह

क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सका है भारत

भारतीय तीरंदाज ओलंपिक में अभी तक क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। भारत तीरंदाजी में केवल सिडनी ओलंपिक 2000 में क्वालिफाई नहीं कर पाया था। इसके अलावा उसने सभी ओलंपिक खेलों में भाग लिया, लेकिन अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाया। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम में सभी छह खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने रैंकिंग के आधार पर ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया जिसका मतलब है कि इस बार भारतीय तीरंदाज पांच आर्चरी इवेंट्स में भाग लेंगे।

अब जानते हैं क्या होता है आर्चरी: तीरंदाजी भारत का प्राचीन खेल है। सदियों से तीरंदाजी की परंपरा भारत में चलती आई है, लेकिन ओलिंपिक में इसके नियम-कायदे काफी अलग होते हैं। ओलिंपिक में आर्चरी को तीन विभागों टारगेट, इनडोर और फील्ड में बांटा गया है। वर्ल्ड आर्चरी ने यह डिसिप्लिन बनाए हैं। टोक्यो ओलिंपिक में भारत के सभी मेंस तीरंदाज टॉप-30 में जगह नहीं बना पाए थे, जिससे भारतीय टीम को 9वीं वरीयता मिली थी।

भारत को पुरुष टीम से काफी उम्मीद

भारत को आर्चरी में पुरुष टीम से काफी उम्मीद है जिसने इस साल शंघाई में विश्व कप के फाइनल में कोरिया को हराकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम में तरुणदीप राय और पिछले ओलिंपिक में भाग लेने वाले प्रवीण जाधव के रूप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं जबकि युवा खिलाड़ी धीरज बोम्मादेवरा ने एक महीने पहले ही अंताल्या वर्ल्ड कप में टोक्यो ओलिंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट इटली के मौरो नेस्पोली को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

महिला वर्ग में सभी की निगाहें दीपिका पर

महिला वर्ग में सभी की निगाहें दीपिका पर टिकी रहेंगी। उन्होंने मां बनने के 16 महीने के अंदर शंघाई में वर्ल्ड कप के पहले स्टेज में सिल्वर मेडल जीत कर शानदार वापसी की थी। महिला टीम में उनका साथ देने के लिए अंकिता भगत और भजन कौर हैं। इन दोनों का यह पहला ओलिंपिक होगा। पेरिस ओलिंपिक में मेंस टीम का फाइनल सोमवार को जबकि इंडिविजुअल एलिमिनेशन मंगलवार को शुरू होगा। मिक्स्ड टीम का फाइनल अगले शुक्रवार को और उसी सप्ताह के अंत में महिला और इंडिविजुअल फाइनल होंगे।

आईपीएल फ्रेंचाइजी बोलीं- हर 5 साल में कराएं मेगा ऑक्शन

लंदन, एजेंसी

आईपीएल फ्रेंचाइजी ने बीसीसीआई से हर 5 साल में मेगा ऑक्शन कराने की मांग की है। अब तक हर 3 साल में मेगा ऑक्शन होता है। बोर्ड ने मेगा ऑक्शन पर फीडबैक सेशन रखा था। इस पर सभी 10 फ्रेंचाइजीज के ऑफिशियल शामिल हुए। फ्रेंचाइजी ने प्लेयर्स के रिटेंशन को 4 से 6 और 8 राइट टु मैच कार्ड की मांग की। एक फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी ने क्रिकइंफो को बताया कि मेगा ऑक्शन 3 साल के बजाय 5 साल में होना ज्यादा फायदेमंद है। इससे फ्रेंचाइजी को अनकैप्ड खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय मिल पाएगा। इससे टीमों को अपने बड़े प्लेयर्स को रिटेन करने का मौका मिलेगा। साथ ही उन प्लेयर्स को फायदा मिलेगा, जो पहले बेस प्राइस या कम रकम पर खरीदा गया था। उदाहरण के लिए रिंकू सिंह जिन्हें कोलकाता ने 55 लाख में खरीदा था।

कप्तान को रिटेन की मांग

टीमों को किसी बड़े खिलाड़ी या फिर कप्तान कप्तान को रिटेन करने की अनुमति होनी चाहिए। इसके अलावा बाकी प्लेयर्स को राइट टू मैच के तौर पर शामिल किए जाने की छूट मिलनी चाहिए। 2017 के मेगा ऑक्शन में राइट टू मैच उपयोग में लाया गया था, जब रिटेंशन और आरटीएम को मिलाकर टीमों के पास अधिकतम 5 प्लेयर्स को रिटेन करने की छूट मिली थी।

फ्रेंचाइजी की यह मांगे

आईपीएल में हर तीन साल में मेगा ऑक्शन होता है, लेकिन अब इस समय में फ्रेंचाइजी ने 2 साल बढ़ाने की मांग की हैं। कई टीमों को 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की मांग की। अभी फ्रेंचाइजी 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। 8 राइट टु मैच कार्ड्स दिए जाएं, अभी 3 मैच टु राइट कार्ड दिए जाते हैं। खिलाड़ियों की ऑक्शन प्राइज प्रदर्शन के अनुसार बढ़ाने या घटाने का अधिकार। अधिकारी की तरफ से एक और सुझाव वेतन को लेकर दिया गया। इसके अनुसार, फ्रेंचाइजी को 2 मेगा ऑक्शन के बीच प्लेयर्स के साथ सीधे तौर पर उनके वेतन पर परफॉरमेंस के बेस पर ऊपर-नीचे करने का अधिकार दिया जाना चाहिए।

चीन देगा कड़ी टक्कर, लेकिन नंबर-2 पर ही अटक जाएगा

भविष्यवाणी: अमरीका का रहेगा दबदबा

नईदिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक गेम्स में भाग लेने के लिए सभी देशों के ज्यादातर एथलीट फ्रांस पहुंच चुके हैं। खेलप्रेमियों के मन में अब यह सवाल है कि इस बार किस देश की बादशाहत रहेगी और कौन सा देश पदक तालिका में शीर्ष पर रहेगा। पिछले दो ओलंपिक खेलों में अमरीका का दबदबा रहा है। नीलसन ग्रेसनोट स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट की मानें तो पदक तालिका में अमरीका लगातार तीसरी बार शीर्ष पर रहकर सर्वाधिक पदक जीतेगा। बार्सिलोना ओलंपिक खेलों के बाद से अमरीका ने हमेशा सर्वाधिक पदक जीते हैं। पदक तालिका में वो देश शीर्ष पर रहता है, जो सर्वाधिक स्वर्ण पदक जीतता है। पदक जीतने वाली अमरीकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स पर पेरिस में सभी की नजरें रहेंगी। उनके नाम 4 स्वर्ण हैं। 112 पदक इस बार अमरीका के जीतने की संभावना113 पदक 2020 ओलंपिक में अमरीका ने जीते थे। रिपोर्ट के तहत, अमरीका का प्रदर्शन पिछले दो ओलंपिक गेम्स के मुकाबले कमजोर रहेगी लेकिन इसके बावजूद वह पदक तालिका में शीर्ष पर रहेगा। इस बार अमरीका कुल 112 पदक जीतेगा जबकि टोक्यो 2020 में उसने 113 पदक जीते थे। खास है कि अमरीका के स्वर्ण पदकों की संख्या टोक्यो ओलंपिक के बराबर 39 ही रहेगी लेकिन रजत पदक की संख्या घट जाएगी। फिलहाल अमरीका के लगातार तीसरी बार पदक तालिका में शीर्ष पर रहने की भविष्यवाणी है।

चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के बजट को मंजूरी

भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं इस पर अभी भी है संशय

नईदिल्ली, एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान की धरती पर होना है। इसमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ड्रॉफ्ट शेड्यूल पहले ही आईसीसी को भेज चुका है। श्रीलंका के कोलंबो में हुई आईसीसी की बैठक में भी चैंपियंस ट्रॉफी पर कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन बैठक में इस टूर्नामेंट के बजट को मंजूरी दे गई थी। लेकिन अभी तक ये कन्फर्म नहीं हुआ है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने पाकिस्तान जाएगी या नहीं। अब पीसीबी ने बीसीसीआई को अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने का काम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पर छोड़ दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने अब वह कर दिया है जो चैंपियंस ट्रॉफी के मेजबान के रूप में उससे अपेक्षित था। उसने टूर्नामेंट का मसौदा कार्यक्रम सौंप दिया है तथा टूर्नामेंट के लिए बजट भी सौंप दिया है। अब यह आईसीसी पर निर्भर है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को कितनी जल्दी प्रसारित, चर्चा और अंतिम रूप देते हैं। पीसीबी ने मसौदा कार्यक्रम में भारत के सभी मैचों की मेजबानी लाहौर में करने का सुझाव दिया है जिसमें सेमीफाइनल (अगर भारत क्वालीफाई करता है) और फाइनल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पीसीबी ने अपनी ओर से आईसीसी को कर से जुड़े नियमों, स्थल चयन और इस बड़े टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान में भारतीय टीम की मेजबानी के लिए अपनी सरकार से मंजूरी के बारे में लिखित रूप से जानकारी दी है। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने आईसीसी बैठकों के इतर बीसीसीआई सचिव जय शाह या किसी अन्य बीसीसीआई अधिकारी के साथ कोई औपचारिक बैठक नहीं की लेकिन बैठकों के दौरान नकवी और शाह के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण रही। बीसीसीआई की तरफ से पहले ही कहा जा चुका है कि पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना पूरी तरह से भारत सरकार का फैसला है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रोहित शेट्टी बोले : महिला प्रधान फिल्म पाइपलाइन में है और ये बहुत जल्द बनेगी

बॉलीवुड फिल्मों में अपने धमाकेदार एक्शन के साथ ही बेहतरीन निर्देशन के लिए प्रसिद्ध रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान रोहित ने अपनी फिल्म सिंघम अगेन को लेकर बातचीत की और साथ ही उन्होंने महिला कॉप यूनिवर्स को लाने की बात कही है। रोहित शेट्टी ने सिंघम, सिम्बा, सूर्यवंशी और इंडियन पुलिस फोर्स जैसी सुपरहिट फिल्म और वेब सीरीज के जरिए फिल्म इंडस्ट्री में पुलिस की एक अलग ही दुनिया स्थापित की है। शिल्पा शेट्टी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा संग वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में पुलिस अवतार में कदम रखा। तो वहीं टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी इस वेब सीरीज का हिस्सा थीं। रोहित की आगामी फिल्म सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण भी रोहित की इस पुलिस की दुनिया में शामिल हो गई हैं और आगामी फिल्म सिंघम अगेन में वर्दी पहने हुए दिखाई देंगी। सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण के अलावा अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, अजय देवगन और रणवीर सिंह नजर आएंगे। रोहित के बेहतरीन निर्देशन की वजह से ही प्रशंसक उनकी फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करते हैं। बॉलीवुड का हर एक कलाकार रोहित के साथ काम करने की ख्वाहिश रखता होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब एक इंटरव्यू के दौरान रोहित शेट्टी से पूछा गया कि क्या वह महिला प्रधान पुलिस यूनिवर्स फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं तो इस पर रोहित ने जवाब देते हुए कहा, एक महिला प्रधान फिल्म पाइपलाइन में है और यह बहुत जल्द बनेगी। रोहित शेट्टी अपने बहुचर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 14वें सीजन के साथ टेलीविजन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टंट आधारित इस शो में गश्मीर महाजनी, नियति फतनानी, असीम रियाज, अभिषेक कुमार, शालीन भनोट, सुमोना चक्रवर्ती, शिल्पा शिंदे और कृष्णा श्रॉफ जैसे सेलेब्रिटीज कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आएंगे। शो की शूटिंग पिछले कुछ महीनों में रोमानिया में हुई है। इसका प्रीमियर 27 जुलाई को कलर्स टीवी पर होगा।

मेट्रो बाजार

टेलीकॉम कंपनियां अगले 12 माह में कई बार टैरिफ बढ़ाएंगी!

प्रति यूजर आय 182 से बढ़ाकर 300 करने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी

मोबाइल टेलीकॉम सर्विसेज और महंगी होंगी। ये कंपनियां अगले 12 महीनों में कई बार टैरिफ बढ़ाएंगी। इसी साल 3 जुलाई को टैरिफ 25 फीसदी बढ़ चुका है। केयरएज रेटिंग्स के मुताबिक इस बढ़ोतरी से टेलीकॉम कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया की प्रति यूजर औसत आय 182 से 15 फीसदी बढ़कर ?220 हो जाएगी। कंपनियों की तैयारी आरपीयू 300 से ऊपर ले जाने की है। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल का कहना है, 'प्रति यूजर आय 300 तक पहुंचने के बाद भी भारत दुनिया का सबसे सस्ता टेलीकॉम मार्केट बना रहेगा। डेटा खपत 10 साल में 4 गुना बढ़ी, इसी का फायदा कंपनियां उठा रही है। देश में इंटरनेट की पहुंच 2014 में सिर्फ 13.5 फीसदी थी, जो 2024 में चार गुनी यानी 52.2 फीसदी हो गई। 2018-19 से लेकर 2022-23 के बीच टेलीकॉम इंडस्ट्री की आय 1 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। 2016 में 4जी सर्विसेज शुरू होने के बाद टैरिफ घटा था। इसके बाद देश में इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ी। फीचर्स की डिमांड भी बढ़ी। अब 5जी सर्विसेज शुरू हो गई हैं। टेक्नोलॉजी एडवांस होने के साथ ही डेटा का इस्तेमाल भी बढ़ता है। कंपनियां इसी ट्रेंड का फायदा उठाना चाह रही हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में टेलीकॉम इंडस्ट्री की कुल आय 2.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। बीते 10 साल में टेलीकॉम कंपनियां 22 से घटकर 5 रह गई। बैंक ऑफ अमेरिका का मानना है कि अगले 5 सालों के दौरान भारत में टेलीकॉम आरयूपी 13.6 फीसदी बढ़कर 250 और 7 साल में 36.4 फीसदी बढ़कर 300 पहुंचेगा। सिटी रिसर्च का अनुमान है कि एयरटेल आने वाले सालों में सबसे ज्यादा टैरिफ बढ़ाएगी। वर्ष 2025-26 तक 270 और 2027 तक 305 तक पहुंच सकता है। रेटिंग एजेंसियों के मुताबिक, अगले कुछ साल में टेलीकॉम कंपनियां प्रति यूजर आय 80 बढ़ाने के रोडमैप पर काम कर रही हैं। केयरएज रेटिंग्स ने कहा, 'हमारे विश्लेषण के मुताबिक, आरपीयू में हर 1 रुपए की बढ़ोतरी से टेलीकॉम इंडस्ट्री का मुनाफा 1,000 करोड़ रुपए बढ़ जाता है।'

मोना बोलीं : 'लालसिंह चड्ढा' फ्लॉप होने पर आमिर ने दी थी पार्टी

फिल्म लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने पर आमिर खान ने पार्टी दी थी। इस बात का खुलासा फिल्म में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मोना सिंह ने किया है। उन्होंने बताया है कि फिल्म फ्लॉप होने की पूरी जिम्मेदारी आमिर ने अपने सिर पर ले ली थी और टीम के हार्डवर्क की रिस्पेक्ट करते हुए उन्होंने पार्टी भी दी थी। सिद्धार्थ कान्नन के चैट शो में मोना ने लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने पर बात की। उन्होंने कहा, बेशक बुरा लगा हमने इतने दिन शूट किया, इतनी अच्छी बॉन्डिंग बनी, इतनी अच्छी पिक्चर बनी लेकिन थिएटर में वो रिस्पॉन्स नहीं मिला। मोना ने आगे कहा, फिल्म फ्लॉप होने पर आमिर मायूस थे लेकिन उन्होंने टीम का हार्डवर्क देखते हुए पार्टी रखी। आमिर ही ऐसे एक्टर हैं जो फिल्म फ्लॉप होने पर भी टीम के एफर्ट देखकर पार्टी दे सकते हैं। मुझे याद है कि उन्होंने कहा था- फिल्म नहीं चली तो क्या हुआ? क्या हम सेलिब्रेट करना बंद कर देंगे। उन्होंने फिल्म फ्लॉप होने की पूरी जिम्मेदारी अपने सिर ली इसलिए मैं उनकी बहुत इज्जत करती हूं। लाल सिंह चड्ढा को 11 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म को 3,000 हजार स्क्रीन्स मिली थीं। लेकिन, बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन के बाद फिल्म के कई शोज कैंसिल कर दिए गए थे। फिल्म में आमिर के अलावा करीना कपूर और मोना सिंह भी थीं। ये फिल्म टॉम हैंक स्टारर हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक थी। आमिर ने इस फिल्म के जरिए 4 साल बाद वापसी की थी। उनकी पिछली फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान थी, जो कि 2018 में रिलीज हुई थी। 180 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर 130 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

बीमारी से उबरने के बाद जान्हवी बोलीं... करियर के साथ हेल्थ पर भी ध्यान देना जरूरी

जान्हवी कपूर को हाल ही में पेट दर्द की शिकायत पर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। यह समय जान्हवी के लिए काफी मुश्किल भरा था। जान्हवी ने कहा कि जीवन में पहली बार उन्हें हॉस्पिटल का मुंह देखना पड़ा। वे काफी महीनों से लगातार काम कर रही थीं, उन्होंने अपनी बॉडी पर ध्यान नहीं दिया जिसकी वजह से उन्हें यह तकलीफ हुई। जान्हवी ने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा था कि बॉडी पूरी तरह पैरालाइज्ड हो गई है। खुद से उठना-बैठना नहीं हो पा रहा था। हाथ-पैर बिल्कुल काम नहीं कर रहे थे। जान्हवी का कहना है कि यह उनके लिए एक अलार्मिंग घटना है कि बॉडी को भी थोड़ा बहुत समय देना चाहिए।

खुद से उठ-बैठ नहीं पा रही थीं: जान्हवी कपूर चार दिन मुंबई के एच.एन. रिलायंस हॉस्पिटल में भर्ती थीं। वे पिछले हफ्ते चेन्नई से एक इवेंट अटेंड करके मुंबई आईं तभी उन्हें कुछ परेशानी महसूस हुई। उन्होंने पहले घर पर ही आराम करना सही समझा लेकिन कंडीशन खराब होने पर हॉस्पिटल में एडमिट हो गईं। उनका ब्लड टेस्ट हुआ जिसमें पता चला कि उन्हें फूड पॉइजनिंग हुई है। पेट दर्द से रिकवरी के बाद उनकी बॉडी काफी ज्यादा वीक हो गई। जान्हवी ने टाइम्स नाउ से कहा- हॉस्पिटल में एडमिट होने से पहले मुझे वॉशरूम जाने तक में दिक्कत हो रही थी। ऐसा लग रहा था कि बॉडी सुन्न पड़ गई है। हाथ-पैर बिल्कुल काम नहीं कर रहे थे। वो समय मेरे लिए काफी डरावना था।

भागदौड़ में बॉडी को आराम नहीं मिला: जान्हवी ने कहा कि फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के वक्त उन्होंने एक महीने में तीन-तीन गानों की शूटिंग की। इसका प्रमोशन भी किया। फिर नई फिल्म में लग गईं। इस दौरान उनकी बॉडी को बिल्कुल आराम ही नहीं मिला।

दोबारा काम पर लौटीं जान्हवी: जान्हवी ने कहा कि उन्हें समझ में आ गया है कि करियर तो जरूरी है, लेकिन हेल्थ पर ध्यान देना कहीं ज्यादा जरूरी है। हमें अपनी बॉडी की रिस्पेक्ट करनी बहुत जरूरी है। बीमारी से उबरने के बाद जान्हवी 23 जुलाई (मंगलवार) को दोबारा काम पर लौट चुकी हैं।

एसबीआई लाइफ को पहली तिमाही में 520 करोड़ का मुनाफा: सालाना आधार पर 36 फीसदी बढ़ा

मुंबई, एजेंसी

इंश्योरेंस कंपनी एसबीआई लाइफ ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 519.52 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। सालाना आधार पर इसमें 36.34 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही यानी QvFY24 में कंपनी ने 381.04 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। इस दौरान कंपनी का नेट प्रीमियम इनकम अप्रैल-जून 2023 के मुकाबले 15 फीसदी बढ़कर 15,105 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले कंपनी की प्रीमियम से कमाई 13,104 करोड़ रुपए थी। वहीं, इन्वेस्टमेंट यानी निवेश से कमाई 32.27 फीसदी बढ़कर 19,283.50 करोड़ रुपए रही। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही यानी जनवरी-मार्च 2024 के मुकाबले एसबीआई लाइफ का शुद्ध मुनाफा 35.92 फीसदी कम हुआ है। पिछली तिमाही में कंपनी ने 810.80 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। इसी तरह, प्रीमियम से होने वाली कमाई भी करीब 40 फीसदी कम हुई है। यह 25,116.47 करोड़ रुपए था। जून तिमाही के अंत में एसेट अंडर मैनेजमेंट 26 फीसदी बढ़कर 4.14 लाख करोड़ रुपए हो गई। नए बिजनेस की वैल्यू 12 फीसदी बढ़कर 970 करोड़ रुपए रही। सॉल्वेंसी रेश्यो पिछले साल के 2.15 फीसदी से घटकर 2.01 फीसदी हो गया। यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान का टोटल प्रोडक्ट मिक्स में 61 फीसदी हिस्सा रहा।

ऐशबाग इलाके से घर के सामने से खड़ी स्कूटर और बाइक हुई चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग इलाके में घर के सामने खड़ी स्कूटर और बाइक चोरी चली गई। कई अन्य इलाकों से भी दोपहिया वाहन चोरी हुए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक नवीन नगर ऐशबाग में रहने वाले ऋषी मेहता प्रायवेट कालेज से बीएचएमएस की पढ़ाई कर रहे हैं। बीती इक्कीस जुलाई की रात उन्होंने अपनी स्कूटर घर के बाहर खड़ी की थी। अगले दिन देखा तो स्कूटर चोरी हो चुकी थी। इसी प्रकार महामाई का बाग ऐशबाग में रहने वाले समीकित जैन ड्रायवरी करते हैं। बाईस जुलाई की रात करीब साढ़े बारह बजे उन्होंने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। अगले दिन सुबह 9 बजे दूध लाने के लिए घर के बाहर निकले तो बाइक नहीं थी।

आसपास तलाश करने के बाद भी दोनों लोगों को वाहनों का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इधर अशोक विहार कालोनी अशोका गार्डन से अनुज नकपुरे, रचना नगर गोविंदपुरा से विजयकृष्ण, एमपी नगर स्थित चित्तौड़ काम्पलेक्स के सामने से अशोक कुमार और बिलखिरिया थानांतर्गत कारपोरेट कालेज के सामने से अमर सिंह की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

चोरी की स्कूटर के साथ बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीला जमालपुरा पुलिस ने चोरी की स्कूटर के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिली कि बैरसिया बस स्टैंड के पास एक युवक सस्ते दामों पर स्कूटर बेचने की बात कर रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेही युवक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम सलमान उर्फ काला (30) निवासी दानिश कालोनी हाउसिंग बोर्ड निशातपुरा बताया। स्कूटर के बारे में पूछताछ करने पर पहले तो वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन बाद में बताया कि कुछ दिनों पहले गणेश चौक टीला जमालपुरा से चोरी किया था।

घर के सामने खड़ी कार में दूसरी कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाहजहांनाबाद स्थित एक व्यवसायी के घर के बाहर खड़ी कार को दूसरी कार ने टक्कर मार दी। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक संतोष थारानी (43) एसबीआई कालोनी ईदगाह हिल्स पर रहते हैं और दवा बाजार घोड़ा नक्कास पर मेडिकल दुकान चलाते हैं। 23 जुलाई की रात करीब साढ़े बारह बजे उन्होंने अपनी कार घर के सामने खड़ी की थी। कुछ देर बाद एक दूसरी कार के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दंपति घायल हो गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक फैजान अली (30) सिंधी कालोनी काजीकैंप हनुमानगंज में रहते हैं और कारपेंटर का काम करते हैं। मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी पत्नी के साथ मोटर सायकिल से हमीदिया अस्पताल से कलेक्टर कार्यालय की तरफ जा रहे थे। फैजान मेन रोड स्थित संजय बेकरी के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही फैजान और उनकी पत्नी बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इस बीच टक्कर मारने वाला चालक कार लेकर मौके से भाग निकला। दंपति के हाथ-पैर और शरीर में चोट आई है। पुलिस आरोपी कार और चालक की तलाश कर रही है।

3 वर्षीय अबोध बालिका को परिजनों के सुपुर्द किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा पुलिस ने तीन साल की अबोध बालिका को उसके परिजन के सुपुर्द किया है। बच्ची बाजार में घरवालों से बिछड़ गई थी। पुलिस के मुताबिक इंद्रा नगर टीला जमालपुरा में रहने वाले रईस और फरीद 3 साल की एक बच्ची को लेकर थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह बालिका इंद्रानगर कपड़ा मार्केट में घूमती हुई मिली, जो अपना और परिजनों का नाम नहीं बता पा रही है। पुलिस ने बच्ची को लेकर कपड़ा मार्केट, इन्द्रानगर, पुतली घर, शापिंग सेंटर, साईंबाबा मंदिर आदि स्थानों पर परिजन की तलाश शुरू की। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रसारण करवाया। कुछ समय बाद कपड़ा मार्केट में एक महिला अपनी बच्ची को तलाश करते हुए मिली, जिसने अपनी बेटी को पहचान लिया।

स्टोर रूम का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाहजहांनाबाद स्थित एक कार्यालय के स्टोर रूम का ताला तोड़कर चोर हजारों रुपए कीमत का पुराना सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार स्तुति शर्मा (37) अयोध्या बायपास पर रहती हैं और कार्यालय राज्य क्षय प्रत्यक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र ईदगाह हिल्स में नौकरी करती हैं। वह यहां स्टोर कीपर और फार्मासिस्ट के पद पर पदस्थ हैं। स्तुति ने पुलिस को बताया कि कार्यालय के पीछे स्टोर रूम में पुराने इस्तेमाली एसी के इन्डोर व लोहे का सामान, आलमारियां, एल्युमिनियम की फ्रेम रीप आदि सामान रखा हुआ है। पिछले दिनों चौकीदार ने स्टोर रूम चैक किया तो सबकुछ ठीकठाक था। उसके बाद 22 जुलाई को चैक किया तो ताला टूटा मिला और अंदर रखा पुराना सामान नहीं था। चोरी गए सामान की कीमत का खुलासा नहीं हो सका है।

अयोध्या नगर महर्षि मैदान में सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम

भोपाल के अयोध्या नगर महर्षि मैदान में सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बीमारी से परेशान 76 साल के बुजुर्ग ने तालाब में कूदकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर पुलिस ने बुधवार सुबह ताज होटल के सामने भदभदा पुल के पास बड़े तालाब से एक बुजुर्ग व्यक्ति की लाश बरामद की। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि बुजुर्ग गंभीर बीमारियों से ग्रसित थे। अनुमान है कि उन्होंने बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या की है। पुलिस के मुताबिक भदभदा सब्जी मंडी निवासी फिरोज खान (31) पुताई का काम करते हैं। बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह मछली पकड़ने के लिए ताज होटल के सामने भदभदा पुल के पास पहुंचे थे। तालाब में जाल डालते समय उनकी नजर पड़ी तो एक व्यक्ति का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया।

गोताखोरों से निकलवाया बाहर

फिरोज ने इसकी सूचना कमला नगर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान रामसिंह रघुवंशी (76) निवासी नया बसेरा कमला नगर के रूप में हुई। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रामसिंह बीमारियों से ग्रसित थे। पिछले दिनों वह एक निजी अस्पताल में करीब एक सप्ताह तक भर्ती रहे, लेकिन आराम नहीं हुआ। मंगलवार रात वह भोजन करने के बाद सोए थे। बुधवार सुबह परिजन की नींद खुली तो रामसिंह घर में नहीं थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे, तभी भदभदा पुल के पास बड़े तालाब में शव मिलने की सूचना मिली। परिजन पहुंचे तो उन्होंने शव की पहचान रामसिंह के रूप में कर ली।

राजधानी में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए पुलिस ने

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश किये हैं। इस आदेश के तहत समस्त प्रकार के आयोजनों जैसे धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, जुलूस, रैली, आमसभा, पुतला दहन, पदयात्रा, रथयात्रा, वाहन रैली, ज्ञापन, कार्यालय, निवास व शासकीय भवन का घेराव आदि के आयोजन के लिए पुलिस उपायुक्त, आसूचना एवं सुरक्षा, नगरीय पुलिस भोपाल से अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना अनुमति प्राप्त किए आयोजित होने वाले आयोजनों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही ऐसे आयोजित कार्यक्रमों में अव्यवस्था एवं कानून व्यवस्था के दौरान होने वाली क्षति/क्षतियों की जिम्मेदारी भी आयोजकों की होगी। अनुमति पत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करना और करवाना बाध्यकारी होगा। यदि किसी समुदाय, संगठन, राजनैतिक दलों, समिति, प्रतिनिधि मण्डल एवं आयोजकों द्वारा किसी सार्वजनिक स्थल, शासकीय परिसर, शासकीय कार्यालय, भवन अथवा किसी भी सरकारी संपत्ति को अपने कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार से क्षति पहुंचाई जाती है, तो इस प्रकार के कृत्यों के लिए कार्यक्रम के आयोजकों की जिम्मेदारी होगी तथा उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

कार्यक्रम से पहले अनुमति लेना होगा अनिवार्य

मेट्रो एंकर समूह लोन नहीं चुकाने पर सरपंच बना रहा था दबाव

ट्रेन से कटकर युवक ने दी थी जान, सरपंच पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर में तीसरे रेलवे ट्रैक पर गत 23 अप्रैल को एक युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी थी। उक्त मामले में पुलिस ने युवक के गांव के सरपंच महेश पर प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, मृतक ने दो लाख रुपए का समूह लोन लिया था। जिसकी किश्त वह नहीं चुका रहा?था। महिलाओं ने उसकी शिकायत सरपंच से की और सरपंच लोन चुकाने के लिए उस पर दबाव बनाने लगा। इसी से दुखी होकर उसने आत्महत्या कर ली थी। उसने मरने से पूर्व पत्नी के मोबाइल पर मैसेज भेजा था, जिसमें उसने सरपंच को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया था। पुलिस ने तीन महीने की जांच के बाद आरोपी सरपंच के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 40 साल का समाधान, मूलत-गांव कड़वा, सतारा, महाराष्ट्र का था। गत 23 अप्रैल को पुलिस ने उसकी लाश सुभाष नगर रेलवे ट्रैक से बरामद की थी। उसके पास से मिले मोबाइल और दस्तावेज के आधार पर पुलिस ने उसकी शिनाख्त कर ली।

चेक बाउंस होने का था डर

सरपंच के दबाव में आकर समाधान ने एक चेक भी दिया था, लेकिन खाते में रुपए नहीं थे। समाधान को डर था कि चेक बाउंस हो जाएगा और वह डिफाल्टर घोषित हो जाएगा।

परिजन ने बताया सरपंच से था प्रताड़ित

समाधान की पत्नी बीना देवी ने पुलिस को बताया कि समाधान ने दो लाख रुपए का समूह लोन लिया था। लोन की किश्त नहीं चुकाने के कारण समूह की महिलाओं ने महेश पिता रमेश को शिकायत कर दी। इसके बाद रमेश, समाधान को लोन चुकाने का दबाव बनाने लगा। दुखी होकर समाधान घर से यह कहकर निकला था कि इंदौर जाकर काम करूंगा और लोन के रुपए चुका दूंगा। इसके बाद उसने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022